सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–242 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 20 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" रिश्ता चाहे इस धरती पर कोई भी हो सबका सिर्फ एक ही पासवर्ड है, " भरोसा " ...!!

अज्ञात...

मायावती के परिवार में सियासी घमासान : BSP में उत्तराधिकार की जंग, आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ बाहर

आलोक तिवारी / लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (BSP) में उत्तराधिकार और पारिवारिक कलह अब खुलकर सामने आ गई है। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद और उनके ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ पर की गई कार्रवाई ने यूपी की राजनीति में हलचल तेज कर दी है।

BSP में विवाद क्यों?

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कई बार पार्टी कैडर को अपडेट दिया। आरोप है कि पार्टी के भीतर समानांतर सत्ता चलाने की कोशिश की जा रही थी। इसी को लेकर मायावती ने सख्त कदम उठाए।

कौन हैं अशोक सिद्धार्थ और क्या है टाइमलाइन?

डॉ. अशोक सिद्धार्थ पेशे से नेत्र विशेषज्ञ हैं। सरकारी नौकरी छोड़कर BSP में आए, मायावती शासनकाल में MLC और बाद में राज्यसभा सांसद बने। आकाश आनंद की शादी उनकी बेटी डॉ. प्रज्ञा से हुई है।

– मार्च 2025: पार्टी में बढ़ती दखलअंदाजी के आरोप में अशोक सिद्धार्थ को BSP से बाहर किया गया।

– मई 2025: सार्वजनिक माफी के बाद आकाश आनंद की वापसी हुई।

– अगस्त 2025: आकाश को दोबारा राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया।

– सितंबर 2025: 3 सितंबर को 'अपरिपक्वता' का हवाला देकर आकाश से राष्ट्रीय संयोजक पद वापस लिया गया और छोटे भाई ईशान आनंद को आगे बढ़ाया गया। 10 सितंबर को अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास की घोषणा की, लेकिन बयानबाजी जारी रही।

यूपी की राजनीति पर असर

इस कलह का सीधा असर सियासी समीकरणों पर पड़ सकता है। कांग्रेस दलित–मुस्लिम समीकरण साधने में जुटी है और राजेंद्र पाल गौतम को यूपी प्रभारी बनाए रखने की रणनीति पर है। सपा दलित वोट बैंक के लिए अपनी यूथ विंग की ड्रेस लाल से नीली कर चुकी है, वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ का फोकस उन 115 विधानसभा सीटों पर है जहां पिछली बार बीजेपी हारी थी।

भिलाई की बेटी इशिका सिंह को ऑस्ट्रेलिया में टीचिंग एक्सीलेंस अवॉर्ड

सिडनी यूनिवर्सिटी में लहराया परचम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर की बेटी इशिका सिंह ने सात समंदर पार ऑस्ट्रेलिया में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित द यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी ने उन्हें टीचिंग एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया है।

इशिका को यह सम्मान 'फीडबैक फॉर टीचिंग स्टूडेंट सर्वे अवॉर्ड 2026' के तहत मिला है। यूनिवर्सिटी के बिजनेस स्कूल के वर्क एंड ऑगेर्नाइजेशनल स्टडीज (WOS) विभाग में सेमेस्टर-1 (2026) में पढ़ाए गए विषय BUSS2000: Leading and Influencing in Business में उत्कृष्ट अध्यापन और बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया है। यह अवॉर्ड पूरी तरह छात्रों के फीडबैक पर आधारित है।

इस उपलब्धि पर स्कूल ऑफ वर्क एंड ऑगेर्नाइजेशनल स्टडीज की अंतरिम हेड प्रोफेसर अन्या जॉनसन और कार्यकारी अधिकारी फियोना चान ने आधिकारिक पत्र जारी कर इशिका की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार शिक्षण में उत्कृष्टता और छात्रों के सकारात्मक अनुभव को पहचानने का माध्यम है। इशिका को डिजिटल प्रमाणपत्र भेज दिया गया है। इशिका की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता पर भिलाई में हर्ष का माहौल है। सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू सहित समिति के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी है।

राहुल गांधी का इंदौर में सिस्टम पर हमला

बोले– 'सिस्टम को सवाल पूछने वाले छात्र नहीं, अंधभक्त पसंद हैं'

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-इंदौर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का इंदौर में छात्रों के बीच दिया गया एक बयान सियासी चर्चा में है। वीडियो में राहुल ने देश की व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा सिस्टम को निडर छात्र और उनके सवाल चुभते हैं।

सिस्टम के शीर्ष पर 6 लोगों के होने का दावा

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में दावा किया कि देश की पूरी व्यवस्था को पर्दे के पीछे से कुछ लोग नियंत्रित कर रहे हैं –

– नरेंद्र मोदी पूरे सिस्टम को लीड करते हैं।

– अमित शाह व्यवस्था के इनफोर्सर हैं।

– अजीत डोभाल (ठरअ) के माध्यम से फोन, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर नजर रखी जाती है।

– मोहन भागवत वैचारिक नियंत्रण और शिक्षण संस्थानों के फंड नेटवर्क को संभालते हैं

– अडानी और अंबानी वित्तीय प्रबंधन और बड़े कॉन्ट्रैक्ट्स संभालते हैं

संस्थाओं पर कब्जे का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीति से लेकर न्यायपालिका, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया और खेल जगत तक हर संस्था में खास लोगों को बैठाया गया है। तंज कसते हुए कहा कि देश में महान क्रिकेटर होने के बावजूद क्रिकेट का नियंत्रण अमित शाह के बेटे को सौंप दिया गया।

छात्र बनाम अंधभक्त

राहुल ने कहा कि छात्र हमेशा पेपर लीक, बेरोजगारी, शिक्षा और व्यवस्था पर सवाल पूछता है, जबकि सिस्टम ऐसे लोगों को तैयार करता है जो सवाल न पूछें। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग स्कूल-कॉलेजों की बदहाली जैसे बुनियादी मुद्दों पर आवाज नहीं उठाते।

DUSU चुनाव : 14 दिन नंगे पैर प्रचार कर उपाध्यक्ष बने दीपांशु शौकीन, संकल्प पूरा कर पहनी चप्पल

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय जीत दर्ज करने वाले दीपांशु शौकीन की जीत के पीछे छात्र सुरक्षा का एक बड़ा संकल्प है।

सत्य निकेतन हादसे में छात्रों की सुरक्षा को लेकर दीपांशु ने प्रण लिया था कि जब तक वह छात्रों की आवाज नहीं बन जाते, तब तक पैरों में चप्पल नहीं पहनेंगे। इसके बाद उन्होंने पूरे 14 दिन नंगे पैर ही चुनाव प्रचार किया, धूप हो या लंबी पदयात्रा, वह बिना चप्पल के ही छात्रों के बीच पहुंचे। शनिवार को चुनाव जीतने के बाद आखिरकार उनका संकल्प पूरा हुआ और उन्होंने चप्पल पहनी।

पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी गांव के रहने वाले दीपांशु के पिता राकेश शौकीन DTC में बस कंडक्टर हैं और मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। बेटे की इस जीत से परिवार गौरवान्वित है। दीपांशु ने कहा कि यह सिर्फ पैरों का सवाल नहीं, बल्कि देशभर से आने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा और सम्मान का सवाल है।

एनएसयूआई से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय मैदान में उतरे दीपांशु ने एबीवीपी के इशू मौर्य को 13,705 वोटों के भारी अंतर से हराया। दीपांशु को कुल 30,615 वोट मिले। उनके नंगे पैर ही प्रचार के दौरान उनके संकल्प की पहचान बन गए थे।

डीलरशिप के नाम पर 31.80 लाख की धोखाधड़ी, 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

थाना सनौद क्षेत्र में इलेक्ट्रिक स्कूटर की डीलरशिप और 100% कैशबैक का झांसा देकर 31 लाख 80 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन में थाना सनौद और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, जबकि 1 आरोपी फरार है।

क्या है पूरा मामला : प्रार्थी मनीष कुमार साहू निवासी भानपुरी थाना गुरूर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2024 में वह CBK EV MOTORS प्राइवेट लिमिटेड से जुड़कर कार्य कर रहा था। कंपनी की डीलरशिप और ई-स्कूटर व्यवसाय में आकर्षक लाभ और 100% कैशबैक का भरोसा दिलाकर बैंकिंग माध्यम और नकद कुल 31,80,000 लिए गए। आरोप है कि तय शर्तों के अनुसार कैशबैक नहीं दिया गया और गुणवत्ताहीन वाहन दिया गया, जिसे वापस करने पर न दूसरा वाहन दिया गया न रकम लौटाई गई।

3 के खिलाफ FIR : थाना सनौद में अपराध क्रमांक 40/2026 धारा 420, 34 IPC के तहत मामला दर्ज किया गया है। FIR में नंदकिशोर साहू (CEO), लोकेश द्विवेदी (MD) और पुरुषोत्तम साहू (CMD) को आरोपी बनाया गया है।

पुलिस ने लोकेश द्विवेदी निवासी ढेलवाडीह कटघोरा कोरबा और पुरुषोत्तम साहू निवासी सारंगढ़ को गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी नंदकिशोर साहू फरार है। विवेचना के दौरान बैंक स्टेटमेंट, कंपनी के चेक, एग्रीमेंट और अन्य दस्तावेज जब्त किए गए हैं। प्रकरण की विवेचना निरीक्षक सोन सिंह सोरी द्वारा की जा रही है।

नौकरी लगाने के नाम पर 11 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। नौकरी लगाने का झांसा देकर 11 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को भिलाई नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान उमेश मानिकपुरी (45) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी लहनेदास मासुलकर ने 25 अगस्त 2026 को थाना भिलाई नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी उमेश मानिकपुरी ने उसे नौकरी लगाने का भरोसा दिलाकर लगभग 11 लाख रुपये ले लिए, लेकिन न तो नौकरी लगाई और न ही पैसे वापस किए। रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 473/2026 धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलित कर आरोपी उमेश मानिकपुरी, निवासी सूर्यनगर थाना गुढ़ियारी रायपुर, हाल मुकाम हनुमान चौक एक्सप्रेस कॉलोनी डिपरापारा रायपुर को 18 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने न्यायालय से एक दिन का रिमांड लेकर पूछताछ की, जिसके बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

त्रिस्तरीय पंचायती राज अधिनियम में विसंगतियां, सोमनी के पूर्व सरपंच अशोक तिवारी ने उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-सोमनी

ग्राम सोमनी के पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ नागरिक अशोक तिवारी ने त्रिस्तरीय पंचायती राज अधिनियम की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज अधिनियम में पंच ही मालिक बन बैठे हैं, जो पूरी तरह गलत है। गांव की जनता द्वारा निर्वाचित सरपंच को पूर्ण अधिकार नहीं मिलना और पंचायत के 20 पंचों में से 16 पंचों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरपंच को पद से हटा देना व्यवस्था की बड़ी विसंगति है।

तिवारी ने कहा कि सरपंच का चुनाव गांव की जनता द्वारा किया गया था। ग्रामीणों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर उसे चुना था। ऐसे में केवल 16 पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना समझ से परे है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या गांव की जनता को यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि अविश्वास प्रस्ताव के दौरान वह सरपंच के पक्ष या विपक्ष में अपना मत दे सके?

पूर्व सरपंच अशोक तिवारी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार से मिलने वाले अनुदान की राशि से होने वाले विकास कार्यों में पंचों की असहमति तथा सरपंच को प्रस्ताव के अधीन राशि आहरित नहीं करने देना भी पंचायती राज अधिनियम की बड़ी विसंगति है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में ग्राम सभा का किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं होना भी कई सवालों को जन्म देता है। श्री तिवारी ने कहा कि निर्वाचित सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मूल भावना पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था में मौजूद ऐसी विसंगतियों को दूर करने की आवश्यकता बताई।

शिक्षक की हत्या में बड़ा खुलासा : 30 लाख की उधारी पर साथी गुरुजी ने ली जान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-आरंग

राजधानी रायपुर से लगे आरंग थाना क्षेत्र में सनसनीखेज शिक्षक हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। ग्राम बनचरौदा के पास मिले शिक्षक शिवकुमार चंद्राकर (46) के शव के मामले में पुलिस ने उसके साथी शिक्षक चंद्रप्रकाश वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या की वजह कोई रंजिश नहीं, बल्कि रेत, रियल एस्टेट और बुलियन ट्रेडिंग में लगे करीब 30 लाख रुपये और तीन महीने के ब्याज का विवाद था।

बनचरौदा में मिला था रक्तरंजित शव

17 सितंबर 2026 को ग्राम बनचरौदा के सुनसान इलाके में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर आरंग पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के सिर और चेहरे पर धारदार और कठोर हथियार से कई गंभीर वार के निशान थे। पहचान शिवकुमार चंद्राकर, निवासी रामपुर डंगनिया, थाना गोबरा नवापारा, रायपुर के रूप में हुई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वाड और साइबर सेल को जांच में लगाया गया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया और अज्ञात के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया गया।

सफेद स्कूटी और VSK ऐप से खुला राज

जांच में पता चला कि मृतक और आरोपी चंद्रप्रकाश वर्मा दोनों ग्राम कुम्हारी के स्कूल में पदस्थ शिक्षक हैं। ग्रामीणों और एक चरवाहे ने बताया कि घटना वाले दिन शिवकुमार को आखिरी बार चंद्रप्रकाश के साथ सफेद स्कूटी पर बनचरौदा की ओर जाते देखा गया था। पुलिस ने स्कूल के सीसीटीवी फुटेज और शिक्षा विभाग के VSK (विद्या समीक्षा केंद्र) ऐप की लॉग रिपोर्ट खंगाली।

पुलिस के अनुसार आरोपी 17 सितंबर को सुबह 9:35 बजे स्कूल पहुंचा, फिर मोबाइल की लोकेशन बंद कर निजी काम का बहाना बनाकर निकल गया। इसी दौरान वारदात को अंजाम देकर वह दोपहर 12:50 बजे वापस स्कूल लौटा। अपना फोन घर पर छूटने की बात कहकर उसने दूसरे शिक्षक के मोबाइल से श्रङ ऐप पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। तकनीकी साक्ष्य ने ही आरोपी की पोल खोल दी।

30 लाख उधारी, 3 महीने से नहीं मिला ब्याज

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और शिवकुमार पिछले 4 साल से परिचित थे और साथ में रेत सप्लाई, रियल एस्टेट और सोना-चांदी के भाव में ट्रेडिंग का काम करते थे। आरोपी ने मृतक को करीब 30 लाख रुपये उधार दिए थे, जिसके एवज में मृतक ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के तीन ब्लैंक चेक दिए थे। पिछले तीन महीने से ब्याज नहीं मिलने पर दोनों में विवाद गहरा गया था। आरोपी का आरोप है कि पैसे मांगने पर शिवकुमार गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देता था।

पटवारी ऑफिस के पास से सुनसान में ले जाकर हत्या

17 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे कुम्हारी स्कूल के बाहर पटवारी कार्यालय के पास दोनों की मुलाकात हुई। पैसों को लेकर कहासुनी के बाद दोनों बनचरौदा के सुनसान इलाके में चले गए। वहां विवाद बढ़ने पर आरोपी ने स्कूटी में पहले से रखे धारदार हथियार से शिवकुमार के सिर के पीछे वार कर दिया। गिरने के बाद हथौड़े से सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी और फरार हो गया।

सबूत जब्त, आरोपी जेल में

पुलिस ने आरोपी के मेमोरेंडम पर घटना में प्रयुक्त सफेद स्कूटी, धारदार हथियार, हथौड़ा, मृतक द्वारा दिए गए तीन ब्लैंक चेक, मृतक का पर्स, दोनों के मोबाइल, खून से सने कपड़े, जूते और मोजे जब्त कर लिए हैं। आरोपी चंद्रप्रकाश वर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। आरंग पुलिस का कहना है कि मामले में वित्तीय लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं की विवेचना जारी है।

जवाहर नगर में सड़क और गार्डन के समीप हुए पेवर कार्य का महापौर ने किया बाघमार निरीक्षण

मौके पर पेवर ब्लॉक निकलवाकर उसके नीचे की सतह और निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से की जांच

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर में सड़क एवं गार्डन के समीप किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेने महापौर अलका बाघमार ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। मौके पर पेवर ब्लॉक निकलवाकर उसके नीचे की सतह एवं निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित क्षेत्र के सहायक अभियंता सुरेश केवलानी एवं उप अभियंता पंकज साहू के साथ कार्य की गुणवत्ता एवं निर्माण संबंधी मानकों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने मौके पर किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता की जांच की। जांच में कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप पाया गया। उक्त कार्य 15वें वित्त आयोग के मिलेनियम प्लस सिटी मद से स्वीकृत किया गया है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जनता के लिए स्वीकृत विकास कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा कार्यों की नियमित रूप से स्थल पर जाकर जांच की जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

महापौर ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों से प्राप्त सुझाव एवं समस्याओं के आधार पर भी आवश्यक कार्यों को चिन्हित कर निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। महापौर के निरीक्षण के दौरान मनमोहन शर्मा सहित वार्ड के रहवासी एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलगांव थाना प्रभारी का हुआ सम्मान, मिला सुरक्षा का आश्वासन

दुर्ग। पुलगांव में लंबे समय से अवैध शराब गांजा की बिक्री हो रही थी जिससे वार्ड वासी काफी परेशान थे। असामाजिक तत्वों द्वारा आए दिन गली मोहल्ले मोहल्ले में मारपीट अड्डे बाजी गुंडागर्दी आम बात हो गई थी। वार्ड के रज्जू दुबे ने बतलाया कि वार्ड मे सूखा नशा की चपेट में आ रहा था, नशीली टैबलेट गाँजा स्कूली बच्चों तक पहुंचने लगे थे जो काफी चिंता का विषय था। दुबे ने बतलाया कि वार्ड वासियों ने थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू से मिलकर वार्ड की समस्या से अवगत कराया।

थाना प्रभारी संधू ने उक्त समस्या को गंभीरता से लेते हुए, लगातार संघन जांच शराब, गांजा बेचने वाले एवं टैबलेट बेचने वालों पर लगातार कार्रवाई किया गया। बाहर से आकर रह रहे किराएदारों से भी पूछताछ की गई और रात में गश्त के दौरानआसमाजिक तत्वों के द्वारा अड्डे बाजी को रोका गया। संधु जी के मार्गदर्शन मे पुलगांव थाना द्वारा लगातार कार्रवाई करने पर अभी अवैध शराब गाँजा की बिक्री में कमी एवं अपराध में कमी आई है। इस पुनीत कार्य के लिए वार्ड वासियों ने थाना प्रभारी संधू जी का साल एवं श्रीफल भेंट कर आभार प्रगट किये। संधू जी द्वारा गणेश पंडाल में लगातार निगरानी रखने एवं गणेश विसर्जन के समय अतिरिक्त पुलिस बल भेजनें एवं शांतिपूर्ण विसर्जन कराने का आश्वासन दिया गया। उक्त अवसर पर वार्ड के दिनेश यादव, ऋषब दुबे, मोनू साहू, पवन साहू, संदीप निषाद, चितरंजन, उमाशंकर, एवं गणेश समिति के सदस्य वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

यूपीआई पर शुल्क जनता और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ : अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

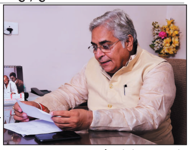

UPI के जरिए होने वाले चुनिंदा व्यापारी भुगतान पर शुल्क लगाए जाने के फैसले को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वढक आज देश के करोड़ों लोगों के रोजमर्रा के लेनदेन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे समय में डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क की शुरूआत आम जनता और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली है।

वोरा ने कहा कि छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और डिजिटल भुगतान पर निर्भर आम लोगों के बीच इसके संभावित प्रभावों को लेकर व्यापक चर्चा जरूरी है। इस विषय को जन-जन तक पहुंचाने और केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ देशव्यापी विरोध की तैयारी की जा रही है। श्री वोरा ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए UPI को सरल और सुलभ बनाया गया था। अब शुल्क व्यवस्था लागू होने से व्यापारियों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को लेकर केंद्र सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

गौरतलब है कि 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से अधिक के पात्र व्यक्ति से व्यापारी (Person-to-Merchant) UPI लेनदेन पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू करने की घोषणा की गई है, जिसकी अधिकतम सीमा 300 प्रति लेनदेन है। व्यक्ति से व्यक्ति (Person-to-Person) UPI भुगतान पर यह MDR लागू नहीं होगा। ये असमंजस की स्तिथि बनी हुई है कि सरकार तय कर ले कि UPI टैक्स दुकानदार द्वारा दिया जायेगा या कि ग्राहक देंगे?

लखपति दीदी योजना से संवरी तृप्ति चक्रधारी की जिंदगी

दुर्ग। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा सुशासन का 25 वर्षो का एक लंबा अंतराल पूर्ण हो रहा है। उनके नेतृत्व में हुए कार्यो और परिवर्तन को आज हर प्रदेशवासी व हितग्राही अपने जीवन में अनुभव कर रहा है। इसी कड़ी में ग्राम थनौद की रहने वाली तृप्ति चक्रधारी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का एक उदाहरण बन चुकी हैं। कभी साधारण घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली तृप्ति ने अपनी कलात्मक क्षमता और मेहनत के दम पर न केवल अपनी पहचान बनाई, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल भी पेश की है।

हुनर को मिला लखपति दीदी योजना का संबल : तृप्ति चक्रधारी के हाथों में मिट्टी और मूर्तिकला का अद्भुत हुनर था। वे हर प्रकार की सुंदर और आकर्षक मूर्तियां बनाने में माहिर हैं-चाहे गणेश उत्सव हो, दुर्गा पूजा हो या स्थानीय देवी-देवताओं की प्रतिमाएं। हालांकि वित्तीय सहायता के अभाव में उनके इस हुनर को वह उड़ान नहीं मिल पा रही थी जिसकी वे हकदार थीं। एक दिन शासन की लखपति दीदी योजना उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई। इस योजना से जुड़कर तृप्ति को आवश्यक प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्व-सहायता समूह के माध्यम से मार्गदर्शन मिला। योजना के प्रोत्साहन से उन्होंने अपने मूर्तिकला के काम को बड़े स्तर पर शुरू किया और व्यावसायिक रूप दिया।

सालाना 3 से 4 लाख की आय : अपनी लगन, कड़ी मेहनत और मूर्तियों की उत्कृष्ट फिनिशिंग के बल पर तृप्ति के काम की मांग आसपास के गांवों और शहरों में तेजी से बढ़ने लगी। लखपति दीदी योजना के सशक्त माध्यम से वे आज हर प्रकार की मूर्तियों का निर्माण और बिक्री कर सालाना 3 से 4 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। तृप्ति चक्रधारी कहती है कि यदि पारंपरिक हुनर को सही सरकारी योजनाओं का सहयोग मिले, तो ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से पूर्णतः सशक्त हो सकती हैं। आज तृप्ति राज्य सरकार और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहती है कि वह न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने परिवार को एक बेहतर भविष्य प्रदान करते हुए क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी स्व-रोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को लेकर कांग्रेस का विरोध

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के आह्वान पर जिलेभर के थानों-चौकियों में कांग्रेसजनों ने दर्ज कराई शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल के विरुद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर की गई कथित अभद्र, अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के आह्वान पर शनिवार को दुर्ग (ग्रामीण) जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के थाना एवं पुलिस चौकियों में कांग्रेसजनों ने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई और मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की मांग की।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर स्वयं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अमलेश्वर थाना पहुंचे और संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में पुलिस को शिकायत सौंपी। शिकायत के साथ संबंधित पोस्ट के स्क्रीनशॉट, फेसबुक प्रोफाइल का वफ्छ, कमेंट्स सहित उपलब्ध डिजिटल साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे गए, ताकि मामले की निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच की जा सके। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि फेसबुक पर नीतीश मंडल नाम से संचालित प्रोफाइल से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संबंध में कथित तौर पर आपत्तिजनक एवं अमर्यादित भाषा में पोस्ट प्रसारित की गई। शिकायतकर्ताओं ने फेसबुक प्रोफाइल की जानकारी एवं उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रोफाइल विवरण के अनुसार संबंधित व्यक्ति पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल पखांजूर, जिला कांकेर का पदाधिकारी रह चुका है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लगातार इस प्रकार की टिप्पणियों से राजनीतिक एवं सामाजिक वातावरण प्रभावित होता है। पुलिस प्रशासन को उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी जांच कर तथ्यों के आधार पर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध शीघ्र वैधानिक कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। यदि पुलिस द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर शीघ्र एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के आह्वान पर पाटन, अहिवारा, धमधा एवं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न थाना एवं पुलिस चौकी क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे और संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायत पत्र सौंपा। पाटन विधानसभा क्षेत्र में पाटन थाना सहित विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर मामले में कार्रवाई की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गृह एवं निर्वाचन क्षेत्र पाटन में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन थाना पहुंचे और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

जामगांव-आर एवं रानीतराई थाना में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश ठाकुर के संयोजन में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पहुंचे और शिकायत पत्र सौंपा। वहीं अमलेश्वर थाना में मंडल अध्यक्ष महेंद्र साहू के संयोजन में कांग्रेसजनों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दी। कुम्हारी क्षेत्र में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनहरण यादव के संयोजन में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में पुलिस चौकी जेवरा-सिरसा में जिला कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल के संयोजन में कांग्रेसजनों ने शिकायत दर्ज कराई। वहीं थाना भिलाई-3 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा के संयोजन में कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर मामले की जांच एवं कार्रवाई की मांग की।

थाना नंदिनी नगर में अहिवारा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष उमेश साहू एवं अहिवारा नगर अध्यक्ष संतोष बाफना के संयुक्त संयोजन में कांग्रेसजन थाना पहुंचे। थाना जामुल में जामुल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश साहू के संयोजन में कार्यकर्ताओं ने शिकायत सौंपकर मामले में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की मांग की। साजा विधानसभा क्षेत्र के धमधा ब्लॉक में थाना धमधा एवं पुलिस चौकी बोरी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा के संयोजन में कांग्रेसजनों ने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के थाना अंडा, थाना उतई, चौकी मचांदुर, चौकी अंजोरा एवं चौकी नगपुरा में भी स्थानीय ब्लॉक एवं मंडल कांग्रेस पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उतई थाना में नगर अध्यक्ष प्रह्लाद वर्मा के संयोजन में कांग्रेसजनों ने पुलिस को आवेदन सौंपा।

इस दौरान विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराते हुए मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने शिकायतों को प्राप्त कर उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर तकनीकी जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष एवं प्रत्यक्ष रूप से चर्चा कर मामले की गंभीरता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया अकाउंट एवं पोस्ट की तकनीकी जांच कर तथ्यों के आधार पर जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए। राकेश ठाकुर ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता कानून और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। पुलिस प्रशासन निष्पक्ष जांच करते हुए दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करे। यदि मामले में कार्रवाई में अनावश्यक विलंब किया गया, तो कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक एवं वैधानिक तरीके से आंदोलन करेगी।

बोरीगारका में 28 सितंबर से गूंजेगी श्रीराम कथा, आचार्य युवराज पांडे करेंगे कथा वाचन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बोरीगारका (पाऊवारा) में धर्म और भक्ति का संगम होने जा रहा है। धर्म ज्योति सनातन सेवा समिति, दुर्ग ग्रामीण के तत्वाधान में सात दिवसीय भव्य श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास के रूप में गरियाबंद जिले के सुप्रसिद्ध युवा संत आचार्य युवराज पांडे (आमली पदर वाले) अपने श्रीमुख से मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का वर्णन करेंगे। आचार्य जी अपनी ओजस्वी वाणी और सरल शैली के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में जाने जाते हैं।

भव्य वाटर प्रूफ पंडाल बन रहा है आकर्षण का केंद्र : आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए कथा स्थल पर विशाल और भव्य वाटर प्रूफ डोम पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था होगी। साथ ही पेयजल, प्रकाश, ध्वनि विस्तारक यंत्र और पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की जा रही है।

पूर्व गृहमंत्री ने स्थल का निरीक्षण किया : कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू बोरीगारका पहुंचे। उन्होंने पंडाल निर्माण कार्य और मंच व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धर्म ज्योति सनातन सेवा समिति के सभी सदस्यों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि श्रीराम कथा जैसे

आयोजन से समाज में सनातन संस्कृति और संस्कारों का प्रचार-प्रसार होता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होने का आह्वान किया।

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन केवल कथा नहीं, बल्कि सनातन एकता का महापर्व है। समिति ने समस्त ग्रामवासियों, नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि इस पावन अवसर पर सपरिवार पधार कर श्रीराम कथा का पुण्य लाभ अर्जित करें और इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, कमलेश गजपाल, योगनारायण गजपाल, वेदनारायण साहू, रामसिंह सोनबोइर, सरपंच बोरीगारका चुम्मन यादव, जागेश्वर साहू, राजेश साहू गिरीश साहू, दुस्यंत साहू, दुलरवा सोनबेर, कुलेश्वर जांगड़े सहित समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

प्रीतपाल ने सहकारी बैंक मुख्यालय में जलाया आशीर्वाद का दीया!

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधान कार्यालय दुर्ग में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने और उनके जन्मदिन के अवसर पर बैंक के प्रधान कार्यालय परिसर में सायं 7 बजे 501 आशीर्वाद का दीया प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष की उपस्थिति में जलाया गया। जैसा कि विदित है कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया जलाया गया एवं लड्डू बांटकर खुशियां मनाई गयी।

इस अवसर पर प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष द्वारा अपने उद्बोधन में नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 गौरवशाली वर्ष (7 अक्टूबर 2001 - 2026) भारत के राजनीतिक इतिहास में एक स्वर्णिम और अभूतपूर्व अध्याय हैं। इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को चिह्नित करने के

लिए पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उनकी यह यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से शुरू हुई थी और वर्ष 2014 से निरंतर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र सेवा में जारी है जो कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में बिना किसी ठहराव के निरंतर लोकतांत्रिक रूप से सरकार के प्रमुख के रूप में 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष पूरे करने वाले वे पहले लोकप्रिय नेता है।

इस अवसर में श्री बेलचंदन के आग्रह पर दुर्ग, बालोद व बेमेतरा जिलों के सभी 402 सेवा सहकारी समिति और 75 बैंक ब्रांचों में जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों द्वारा भी दीपोत्सव कर बधाईयां व शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस अवसर पर एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कहा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76 वें जन्मदिन पर आशीर्वाद का दिया जलाने एकत्रित हुए है एवं पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान के रूप में मना रही है। यह अभियान उनके 25 वर्षो के जन-कल्याण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों को समर्पित है।

कार्यक्रम में एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एस.पी.अग्रवाल अधिवक्ता, बैंक अधिकारी ह्रदेश शर्मा, एस.के.निवसरकर, ह्रदेश शर्मा, सुश्री कुसुम ठाकुर, के.के.नायक, रोहित वर्मा, धीरेन्द्र देवांगन, एस.पी.वाहने, ए.एस.खान, युवराज चंद्राकर, चंद्रशेखर मानिकपुरी, पुष्पा चंद्राकर, पूर्णिमा साहू, विनीत वर्मा, रोहित यादव, विजय वर्मा, कमल वर्मा सहित प्रधान कार्यालय एवं शाखा दुर्ग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

शिविर में 81 दिव्यांगजनों व वरिष्ठजनों का हुआ पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण/चिन्हांकन शिविर का आयोजन नगर पालिक निगम दुर्ग/भिलाई/रिसाली एवं जनपद पंचायत दुर्ग के समस्त ग्राम पंचायत

क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए स्थान - श्री विवेकानंद भवन पदमनाभपुर रोड जेल तिराहा चौक दुर्ग, जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 81 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न सामाग्री जैसे मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हीलचेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर, वॉकिंग स्टीक, वॉकर, सुगम्य छड़ी आदि उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया, आज के शिविर में 69 हितग्राहियों को कुल 115 सामाग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया। उक्त अवसर पर देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद एवं लोक निर्माण विभाग प्रभारी नगर पालिक निगम दुर्ग ए.पी. गौतम, उपसंचालक तथा जन्तराम ठाकुर नोडल अधिकारी समाज कल्याण विभाग दुर्ग तथा एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं समाज कल्याण विभाग व जनपद पंचायत दुर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

संगीत-कला से पीढ़ियों को जोड़ रहा चक्रधर समारोह : मंत्री रामविचार नेताम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया नमन, पांचवें दिन के कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

41वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद महाराजा चक्रधर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री नेताम ने कहा कि चक्रधर समारोह कला के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाला ऐसा मंच है, जहां कला प्रेमी, कलाकार और कला साधक एक साथ आते हैं। उन्होंने रायगढ़ के उन कला प्रेमियों और श्रोताओं को नमन किया, जो पूरी रात बैठकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला के प्रति रायगढ़ की यह निरंतर रुचि और समर्पण समारोह की विशेष पहचान है।

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया याद

प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया। विशेष रूप से कथक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान ने रायगढ़ को देश और दुनिया में अलग पहचान दिलाई। उनकी कला साधना से प्रेरित होकर चक्रधर समारोह आज भी कला की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

पांचवें दिन के कलाकारों का किया सम्मान

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलाकारों की साधना और कला प्रेमियों की सहभागिता से ही ऐसे आयोजन निरंतर आगे बढ़ते हैं। प्रभारी मंत्री ने कला प्रेमियों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, अरुणधर दीवान, श्रीकांत सोमावार, सुभाष पाण्डेय, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, कलाकार और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहे।

औद्योगिक नीति 2024-30 से प्रदेश में निवेश और रोजगार को मिली नई गति

मुख्यमंत्री ने ट्रेड फेयर का किया शुभारंभ, अग्रकुल दर्शन पत्रिका का किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय अग्र महाकुंभ-2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अग्रवाल समाज की उद्यमिता, दानशीलता, परोपकार और समाजसेवा की समृद्ध परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। व्यापार और व्यवसाय से आगे बढ़कर समाज के उद्यमियों ने उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन और जनसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समानता, करुणा, सहयोग और सहभागिता पर आधारित समाज की कल्पना की थी। उनका संदेश था कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले और जो सक्षम हैं, वे जरूरतमंद लोगों का हाथ थामकर उन्हें भी प्रगति की राह पर आगे बढ़ाएं। अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन जी के इन आदर्शों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने आचरण में उतारा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अग्रवाल समाज की पहचान केवल सफल व्यापार और उद्यमिता तक सीमित नहीं है। अर्थोपार्जन के साथ परमार्थ की भावना इस समाज की विशिष्टता रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों, धर्मशालाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी संस्थाओं तथा अनेक जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज निरंतर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता आया है।

महिला शक्ति और युवाओं की भागीदारी से समाज को मिलेगी नई ऊर्जा

श्री साय ने अग्र महाकुंभ में महिला शक्ति को विशेष स्थान दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि आज हमारी बेटियां और बहनें परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के साथ व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्टार्टअप और समाजसेवा सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी परिवार, समाज और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई शक्ति प्रदान कर रही है।

उन्होंने युवाओं के लिए आयोजित विशेष सत्र को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलते समय में नई पीढ़ी के सामने अवसरों का एक विशाल संसार है। युवाओं को अपने संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से जुड़े रहते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि वे स्वयं को केवल नौकरी खोजने तक सीमित न रखें, बल्कि नए विचारों और उद्यमों के माध्यम से स्वयं आगे बढ़ें और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार करें।

समृद्धि का अर्थ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ाना - पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अग्र महाकुंभ हमारी सामूहिक चेतना, संगठन शक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और भविष्य की दिशा पर विचार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाराजा अग्रसेन जी ने जिस सामाजिक व्यवस्था की कल्पना की थी, उसके मूल में समानता, सहयोग, संवेदनशीलता और सहभागिता की भावना थी।

रोजगार केंद्रित औद्योगिक नीति से खुल रहे निवेश के नए द्वार

श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति 2024-30 को रोजगार केंद्रित बनाया गया है। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को अब तक लगभग 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं की उद्यमशीलता को नई दिशा देने के उद्देश्य से हाल ही में मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन को मंजूरी दी है। इसके लिए आगामी पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित किए जाने की योजना है। इसके साथ ही 100 इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब और 5 इंडस्ट्री सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इससे युवाओं को नई तकनीकों, कौशल, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य प्रदेश के छोटे उद्योगों, स्थानीय उत्पादों तथा मूल्य संवर्धित कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों को देश और दुनिया के बड़े बाजारों से जोड़ना है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए बाजार खुलेंगे और छत्तीसगढ़ के उत्पादों को व्यापक पहचान मिलेगी। सरगुजा अंचल की आर्थिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां पर्यटन, कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय उत्पादों के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद होटल, होम-स्टे और पर्यटन सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उन्होंने अग्रवाल समाज के अनुभवी उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इन संभावनाओं से जुड़ें और अपने अनुभव तथा उद्यमशीलता के माध्यम से प्रदेश के युवाओं और छोटे उद्यमियों को भी आगे बढ़ने में सहयोग करें। बड़े और अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने अग्र महाकुंभ में स्वास्थ्य एवं योग जैसे विषयों को शामिल किए जाने की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार और कार्य की व्यस्तता के बीच स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति से ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है तथा स्वस्थ समाज ही निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ह्यदशम अग्र अलंकरणह्न के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को भी अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन, अग्रवाल सभा अंबिकापुर, सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा सहित आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को अग्र महाकुंभ-2026 के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कामना की कि अग्रवाल समाज की उद्यमिता, सेवा, सहयोग और परोपकार की गौरवशाली परंपरा इसी तरह निरंतर आगे बढ़ती रहे और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

मुख्यमंत्री ने ट्रेड फेयर का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अग्र महाकुंभ के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए ट्रेड फेयर का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने मेले में लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और उद्यमियों से उनके उत्पादों तथा गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मंच से अग्रकुल दर्शन पत्रिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री अमर अग्रवाल, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित देशभर से अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर के अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और सुलभ उपचार के लिए सरकार चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर करने होंगे प्रयास : सीएम साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक जब आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ मरीज से जुड़ते हैं तो वे केवल बीमारी का उपचार नहीं करते, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए विश्वास और हौसले का आधार भी बनते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति के साथ मानवीय संवेदना का यह पक्ष कैंसर के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूत बनाता है।

समय पर पहचान से बढ़ती हैं प्रभावी उपचार की संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है। शुरूआती अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की समय पर स्क्रीनिंग और रोकथाम को प्राथमिकता दी है। श्री साय ने कॉन्क्लेव में उपस्थित विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे ऐसी आधुनिक तकनीकों, अनुसंधानों और प्रभावी उपायों पर विचार करें, जिनसे कैंसर की जल्द पहचान हो सके और उपचार को अधिक सस्ता, सुलभ तथा आम लोगों की पहुंच में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव चिकित्सा जगत के अनुभव, शोध और नवाचार को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच हैं। यहां होने वाला विचार-विमर्श भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों और उपचार पद्धतियों को नई दिशा देने में सहायक होगा।

कैंसर मरीजों का तैयार होगा व्यवस्थित डेटाबेस : मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि चौथा छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञों का एक मंच पर आकर रोकथाम, स्क्रीनिंग, अनुसंधान और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर अपने अनुभव साझा करना प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बालको मेडिकल सेंटर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रदेश में 500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच के लिए प्रेरित करने का कार्य किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार कैंसर की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग का दायरा लगातार बढ़ा रही है। प्रदेश में कैंसर को नोटिफाई करने का निर्णय लिया गया है। इससे कैंसर मरीजों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार किया जा सकेगा और उनके उपचार तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारियों का बेहतर ढंग से संधारण संभव होगा। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण को भी मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि स्क्रीनिंग और रोकथाम के उपायों के माध्यम से बीमारी की पहचान शुरूआती चरण में हो तथा मरीज को समय पर आवश्यक उपचार मिल सके।

प्रदेश में लगातार मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना: मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। आज शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर इनकी संख्या 15 हो गई है। इसके साथ ही पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन चिकित्सा संस्थानों में कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक विशेषज्ञता, आधुनिक उपकरण और अधोसंरचना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

आर्थिक कठिनाई उपचार में न बने बाधा : मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर बीमारी के समय उपचार के खर्च की चिंता परिवार की परेशानी को और बढ़ा देती है। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक कठिनाई किसी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान की है। पात्र परिवारों को योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए तक उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को 25 लाख रुपए तक की उपचार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य यही है कि बीमारी के कठिन समय में परिवार को आर्थिक चिंता के बजाय मरीज के स्वास्थ्य और उपचार पर ध्यान देने का संबल मिले।

बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत लगभग 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इनमें करीब 40 हजार लोगों में विभिन्न बीमारियों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि व्यापक स्क्रीनिंग का उद्देश्य बीमारी की शुरूआती अवस्था में ही पहचान करना और मरीज को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। सरगुजा सहित प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

नवा रायपुर में आकार ले रही 5 हजार बिस्तरों की मेडिसिटी: मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यह परियोजना प्रदेश में विशेषज्ञ और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने कहा कि मेडिसिटी के विकसित होने से प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी।

स्वस्थ नागरिक विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव: मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अपना विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में छत्तीसगढ़ तभी प्रभावी योगदान दे सकेगा, जब प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में चिकित्सकों, शोधकताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज डॉक्टरों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखता है, क्योंकि वे कठिन परिस्थितियों में लोगों का जीवन बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवन देने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चौथा बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव कैंसर की रोकथाम, समय पर स्क्रीनिंग, शोध और आधुनिक उपचार के क्षेत्र में उपयोगी निष्कर्षों तथा नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। यहां देश-दुनिया के विशेषज्ञों द्वारा साझा किए जा रहे अनुभव और नवाचार छत्तीसगढ़ में कैंसर के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों को नई दिशा और मजबूती देंगे।

'Restoring Balance to Cancer Care' थीम पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में देश-विदेश के प्रतिष्ठित चिकित्सक, कैंसर विशेषज्ञ, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग, उपचार, अनुसंधान और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर मंथन कर रहे हैं। कॉन्क्लेव में 200 से अधिक राष्ट्रीय और 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इस वर्ष स्त्री रोग संबंधी कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर पर विशेष रूप से चर्चा की जा रही है।

कैंसर की जांच और उपचार की नवीन तकनीकों से रूबरू हुए मुख्यमंत्री

कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कैंसर जागरूकता, प्रारंभिक पहचान, स्क्रीनिंग तथा जांच एवं उपचार की नवीनतम तकनीकों से संबंधित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन परियोजना का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रतिनिधियों से आधुनिक तकनीकों की कार्यप्रणाली, कैंसर की समय रहते पहचान में उनकी उपयोगिता तथा उपचार के क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों और नवाचारों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने विशेषज्ञों से कैंसर की जांच और उपचार में उभरती नई संभावनाओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने विशेष रूप से यह जानकारी ली कि आधुनिक तकनीक और नवाचारों की सहायता से कैंसर की प्रारंभिक पहचान को किस प्रकार अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है और इन सुविधाओं को प्रदेश के आम नागरिकों, विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक किस प्रकार अधिक सुलभता से पहुंचाया जा सकता है।

इस अवसर पर बालको मेडिकल सेंटर की डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी, ई-कैंसर की प्रतिनिधि डॉ. सुजाना स्टेनवे, वाइस एडमिरल आरती सरीन सहित देश-विदेश से आए विशेषज्ञ चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

ऐतिहासिक अवसर है तो खुशी जरूर मनाना चाहिए

कोई भी ऐतिहासिक अवसर होता है तो परिवार,समाज,राज्य व देश उसकी खुशी मनाता है। यह तो हमारी परंपरा है ।कोई ऐतिहासिक अवसर रोज रोज तो आता नहीं है, कोई ऐतिहासिक काम रोज रोज तो होता नहीं है। किसी सदी में कोई एक आदमी होता है जो कोई ऐतिहासिक काम कर पाता है। कभी कभी सदियों बाद भी ऐसा काम नहीं हो पाता है क्योंकि समय व स्थिति हमेशा बदलते रहते हैं ।किसी सदी में कोई अनुकूल समय आता है, अनुकूल स्थिति बनती है तो कोई आदमी ऐतिहासिक काम कर पाता है। पीएम मोदी ने 21 वीं सदी में ऐसा ही ऐतिहासिक काम किया है। वह 25 साल से सत्ता के शिखर पर हैं और देश के लोगों की सेवा कर रहे हैं। 25 साल की सेवा के बदले में यदि जनता खुशी के दीप जला रही है तो यह तो स्वागत करने योग्य काम है। 25 साल कहीं न कहीं पार्टी को सत्ता में रखने के बदले यदि पार्टी के नेता व कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान चलाकर जनता की सेवा का काम कर रहे हैं तो यह भी तारीफ करने का काम है। दोनों काम की आलोचना तो होनी ही नहीं चाहिए लेकिन लोकतंत्र है हमारे देश में सबको अभिव्यक्ति की आजादी है तो थोड़े से लोगों को दीवाली के पहले दीवाली मनाना यह अच्छा नहीं लग रहा है तो वह आलोचना कर रहे हैं कि करोड़ो दिए जलाने की जरूरत क्या है।

लोकतंत्र में जनता ही सबसे ताकतवर होती है। जो इसकी सेवा करता है, उसे वह सत्ता के शिखर पर बिठाती है। हर पांच साल मे एक बार चुनाव होते हैं तो अच्छा काम करने पर एक बार,दो बार सत्ता के शिखर पर बिठाती है। यानी नेता कितना भी अच्छा हो,कितना भी अच्छा काम करने वाला हो,तीसरी बार तो मौका उसे जनता कम ही देती है और तीसरी बार उसे सत्ता के शिखर पर नही बिठाती है ।क्योंकि निरंतर सत्ता के शिखर पर रहने पर नेता व राजनीतिक दल के नेताओं व कार्यकताओं में कई तरह की बुराई आ जाती है,उनमें अहंकार आ जाता है,वह खूब भ्रष्टाचार करते हैं,वह सोचते हैं कि जनता तो उन्हें चुनने के लिए मजबूर है,तब जनता उसे सत्ता के अर्श से हकीकत के फर्श पर पटक देती है और एहसास दिलाती है कि जनता सब कुछ देखती है और ठीक समय पर ठीक फैसला सत्ता से अहंकारी व भ्रष्ट लोगों को हटाकर करती है। हाल ही में जनता ने बंगाल मे ममता को, केरल में पिनराई को व तमिलनाडु में स्टालिन को सत्ता से इसी वजह से हटाया है। उनके अहंकार को तोड़ा है,उनको बताया है कि जनता के पास हर राजनीतिक दल का विकल्प होता है ।जनता जब चाहे कोई विकल्प खड़ा कर सकती है।

ऐसे में पीएम मोदी को जनता 25 साल से सत्ता के शिखर पर बिठाए हुए है तो यह देश ही नहीं विश्व के लोकतंत्र में एक चमत्कार की ही तरह है ।सवाल उठना स्वाभाविक है कि पीएम मोदी ने ऐसा चमत्कार किया है तो देश ही नही पूरे विश्व में ऐसा कोई नेता दूसरा क्यों नही हुआ जिसने ऐसा चमत्कार किया हो। लोकतंत्र में 25 साल तक सत्ता के शिखर बने रहना वाकई में ऐसा काम है जिसे हमारे देश में तो पीएम मोदी के अलावा कोई दूसरा नेता नहीं कर सका है। यह काम तो वही नेता कर सकता है जिस पर जनता अटूट भरोसा करती हो। पीएम मोदी 13 गुजरात में सीएम के रूप में वह 12 साल देश के पीएम के रूप में सत्ता के शिखर पर हैं। इससे साफ हो जाता है कि जनता को उन पर पिछले 25 साल अटूट भरोसा है कि सत्ता के शिखर बिठाने के लिए यही एक सही आदमी है ।काम करने वाला आदमी है,ईमानदार बने रहने वाला आदमी है। निरंतर सत्ता में रहकर ईमानदार बने रहना भी तो सबसे कठिन काम होता है,यह कठिन काम पीएम मोदी ने किया है। 25 साल सत्ता मे रहकर ईमानदार बने रहना,वाकई में ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश की जनता व भाजपा के लिए खुशी मनाने का अवसर है कि ऐसा नेता हमारे पास है,जो सदियों में कभी पैदा होता है देश व जनता की सेवा करने के लिए है।

हमारे देश मे खुशी मनाने के कई तरीके होते हैं। सदियों से एक तरीका घर व बाहर रोशनी करके खुशी मनाना है, इसमें रोशनी के लिए पुराने समय से दीप जलाए जाते हैं। भाजपा चाहती तो कोई आधुनिक तरीके से भी मोदी के जन्मदिन व मोदी के सत्ता शिखर पर 25 साल तक रहने को मना सकती थी लेकिन उसने वही पुराना तरीका अपनाया और उसमें आम लोगों को शामिल किया। भाजपा पार्टी के तौर पर मनाती तो यह पार्टी की खुशी की बात होती भाजपा ने आम लोगों को इस खुशी के मौके पर जोड़कर इसे आम लोगों के लिए खुशी का अवसर बनाया है। देश भर में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी नेता के जन्मदिन पर करोड़ो दिए जलाए गए और उनकी दीघार्यु की कामना की गई। देश में एक से एक नेता हुए हैं लेकिन किसी का जन्मदिन आज तक इस तरह नहीं मनाया गया है जिस तरह पीएम मोदी का मनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार है,स्वाभाविक है यहां भी पीएम मोदी का जन्मदिन बड़े पैमाने पर मनाया गया है और उसे पार्टी की खुशी के साथ जनता की खुशी की तरह मनाया गया। पार्टी की खुशी मे जनता को शामिल कर भाजपा ने जनता को अपने से जोड़ा है और जनता से वह भी जुड़ी है। यह खुशी का मौका जनता के कारण ही तो आया है,यह खुशी का मौका जनता के लिए भी है। यह संदेश देकर भाजपा ने फिर एक बार जनता का दिल जीता है। जनता के भरोसे को जीतने में तब आसानी होती है जब कोई राजनीतिक दल जनता को जोड़ने व जनता से जुड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। भाजपा यह काम जितनी कुशलता से करती है,कांग्रेस कर नही पाती है जबकि वह भाजपा से ज्यादा पुरानी पार्टी है। उसके नेता हर काम की आलोचना करते रहते है। वह समझ नहीं पाते हैं कि जनता आलोचना से प्रभावित नहीं होती है, जनता काम से प्रभावित होती है। जनहित के काम से प्रभावित होती है। जो उसे प्रभावित कर पाता है,उस पर भरोसा करती है। जिस पर वह भरोसा करती है,उसे सत्ता पर 25 साल तक बनाए भी रखती है। पीएम मोदी 25 साल से सत्ता के शिखर पर है तो इसी आधार पर यह माना जा सकता है कि जनता उनपर अटूट भरोसा करती है।

साझा ब्रिक्स मुद्रा बनाम डीडॉलराइजेशन :डॉलर के खिलाफ ब्रिक्स का साइलेंट अटैक

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के देशों की अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों के मौजूदा परिदृश्य में ब्रिक्स का डीडॉलराइजेशन एजेंडा दुनियाँ के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संकेत बनकर उभर रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि ब्रिक्स की रणनीति अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप को खुली मुद्रा-युद्ध की चुनौती देने के बजाय कहीं अधिक शांत, व्यावहारिक और दीर्घकालिक दिखाई देती है। यहां सबसे बड़ा सवाल साझा ब्रिक्स मुद्रा का नहीं,बल्कि उस व्यवस्था का है जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार,ऊर्जा खरीद, निवेश और भुगतान के लिए अमेरिकी डॉलर की अनिवार्यता धीरे-धीरे कम की जा सके ।भारत,रूस,चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ईरान जैसे देशों के आर्थिक हित भले ही पूरी तरह समान न हों, लेकिन डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की इच्छा कई क्षेत्रों में साझा आधार उपलब्ध कराती है। इसलिए ब्रिक्स का संदेश यह नहीं है कि डॉलर आज खत्म हो जाएगा, बल्कि यह है कि दुनिया के पास डॉलर के अलावा भी विकल्प होने चाहिए।

साथियों बात अगर कर हम साझा ब्रिक्स मुद्रा बनाम डीडॉलराइजेशनःअसली खेल क्या है? इसको समझने की करें तो, ब्रिक्स की साझा मुद्रा को लेकर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चचार्एं होती रही हैं,लेकिन साझा मुद्रा बनाना अत्यंत जटिल प्रक्रिया है ।इसके लिए सदस्य देशों के बीच मौद्रिक नीति,विनिमय दर, विदेशी मुद्रा भंडार, केंद्रीय बैंक व्यवस्था,राजकोषीय अनुशासन और राजनीतिक सहमति जैसे अनेक मुद्दों पर गहरा तालमेल आवश्यक होगा। यही कारण है कि तत्काल साझा ब्रिक्स मुद्रा लाने के बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, द्विपक्षीय भुगतान व्यवस्था और सीमा-पार वित्तीय प्रणालियों के विकास पर जोर देना अधिक व्यावहारिक रास्ता दिखाई देता है ।यहीं से साझा मुद्रा और डीडॉलराइजेशन के बीच अंतर स्पष्ट होता है। डीडॉलराइजेशन का अर्थ अनिवार्य रूप से डॉलर को समाप्त करना नहीं, बल्कि जहां संभव हो वहां डॉलर की आवश्यकता को कम करना है। यदि भारत और रूस ऊर्जा व्यापार का अधिक हिस्सा अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में कर सकें,यदि ब्रिक्स देश आपसी व्यापार में वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों का उपयोग बढ़ाएं और यदि निवेश तथा सीमा- पार भुगतान के लिए नए वित्तीय ढांचे विकसित हों, तो बिना किसी नई साझा मुद्रा के भी डॉलर की भूमिका कुछ क्षेत्रों में कम हो सकती है। यही रणनीति अपेक्षाकृत कम टकराव वाली और अधिक व्यवहारिक है।

साथियों बात अगर हम ब्रिक्स की साइलेंट डीडॉलराइजेशन रणनीतिःडॉलर को चुनौती भी, टकराव से बचाव भी इसको समझने की करें तो,ब्रिक्स की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक विशेषता यही हो सकती है कि वह अमेरिका को सीधे चुनौती दिए बिना वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में विकल्पों का विस्तार करे ।इसे साइलेंट डीडॉलराइजेशन कहा जा सकता है,हालांकि यह आधिकारिक ब्रिक्स शब्द नहीं, बल्कि इस प्रक्रिया को समझने का विश्लेषणात्मक तरीका है। इसमें किसी एक दिन डॉलर को हटाने का ऐलान नहीं होता; बल्कि छोटे-छोटे कदमों के जरिए राष्ट्रीय मुद्राओं, स्थानीय भुगतान नेटवर्क और वैकल्पिक वित्तीय तंत्रों का उपयोग बढ़ाया जाता है ।इस रणनीति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे ब्रिक्स सदस्य देशों को अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से तत्काल पूर्ण अलगाव की आवश्यकता नहीं पड़ती। डॉलर आज भी वैश्विक व्यापार,विदेशी मुद्रा भंडार, वित्तीय बाजारों और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए ब्रिक्स५के लिए व्यावहारिक रास्ता डॉलर से एक झटके में संबंध तोड़ना नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुध्रुवीय वित्तीय व्यवस्था तैयार करना है जिसमें डॉलर अकेला अनिवार्य माध्यम न रहे। यानी नाम डॉलर का कम लिया जाए, लेकिन उसकी अनिवार्यता को चुनौती मिलती रहे। यही वह रणनीति है जिसमें राजनीतिक टकराव सीमित रहते हुए आर्थिक विकल्पों का विस्तार किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की टैरिफ चेतावनी और ब्रिक्स का शांत जवाब को समझने की करें तो,डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों द्वारा डॉलर की वैश्विक भूमिका को कमजोर करने की किसी भी गंभीर कोशिश के खिलाफ भारी टैरिफ की चेतावनी दी है ।इस परिस्थिति में ब्रिक्स के सामने दो रास्ते हो सकते हैं ।पहला,अमेरिका के साथ सीधा आर्थिक और मौद्रिक टकराव; दूसरा, बिना किसी औपचारिक डॉलर-विरोधी घोषणा के वैकल्पिक व्यवस्था को धीरे-धीरे मजबूत करना। दूसरा रास्ता राजनीतिक रूप से अधिक सावधान और आर्थिक रूप से अधिक व्यावहारिक दिखाई देता है ।यदि ब्रिक्स खुले तौर पर घोषणा कर दे कि वह डॉलर की बादशाहत खत्म करने जा रहा है, तो अमेरिका इसे रणनीतिक आर्थिक चुनौती के रूप में देख सकता है। इसके विपरीत, यदि ब्रिक्स यह कहता रहे कि उसका उद्देश्य डॉलर को खत्म करना नहीं, बल्कि व्यापार में स्थानीय मुद्राओं और वैकल्पिक भुगतान साधनों के विकल्प बढ़ाना है, तो वह एक अलग संदेश देता है। इस स्थिति में अमेरिका के लिए हर कदम का जवाब उसी तीव्रता से देना कठिन हो सकता है।

यही कारण है कि ब्रिक्स की वास्तविक ताकत किसी नारे में नहीं, बल्कि व्यवस्था निर्माण में छिपी है। यदि वैकल्पिक तंत्र विश्वसनीय, सस्ता, तेज और बड़े पैमाने पर उपयोगी साबित होते हैं, तो व्यापारिक संस्थाएं और देश स्वाभाविक रूप से उनका सटीकता से इस्तेमाल बढ़ा सकते हैं।

साथियों बात अगर हम पुतिन की भारत यात्रा : ट्रंप के लिए क्या है सबसे बड़ा आर्थिक संदेश? इसको समझने की करें तो,पुतिन की भारत यात्रा और भारत-रूस रणनीतिक संबंधों को केवल पारंपरिक कूटनीतिक संबंधों की दृष्टि से देखना अधूरा होगा। इसके पीछे ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, निवेश और भुगतान व्यवस्था का व्यापक आर्थिक आयाम भी है। भारत रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीदता है और रूस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। ऐसे में दोनों देशों के बीच व्यापार को अधिक कुशल भुगतान प्रणालियों और राष्ट्रीय मुद्राओं के माध्यम से आगे बढ़ाने की संभावनाएं केवल द्विपक्षीय संबंधों का विषय नहीं रहतीं;उनका असर व्यापक वैश्विक वित्तीय व्यवस्था पर भी पड़ सकता है ।ट्रंप के लिए इसका सबसे बड़ा संदेश यह हो सकता है कि अमेरिकी टैरिफ या डॉलर की ताकत के बावजूद बड़े देश अपने आर्थिक हितों के अनुरूप वैकल्पिक रास्ते तलाश सकते हैं। भारत यदि रूस के साथ ऊर्जा और अन्य व्यापारिक संबंधों को मजबूत करता है, रूस यदि एशियाई बाजारों पर अपनी निर्भरता बढ़ाता है और चीन सहित अन्य ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाएं स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन को आगे बढ़ाती हैं, तो वैश्विक व्यापार धीरे-धीरे अधिक बहुध्रुवीय स्वरूप ग्रहण कर सकता है ।यह अमेरिका के लिए तत्काल डॉलर संकट नहीं है, लेकिन दीर्घकाल में यह सवाल जरूर खड़ा करता है कि क्या डॉलर की वैश्विक ताकत का आधार केवल उसकी आर्थिक शक्ति है या फिर इस तथ्य में भी है कि दुनिया के पास पर्याप्त विकल्प नहीं हैं। यदि विकल्प बढ़ते हैं, तो तस्वीर बदल सकती है।

साथियों बात अगर हम पुतिन,शी जिनपिंग और ब्रिक्स की रणनीतिःक्या डॉलर की बादशाहत छुपे रूप से कमजोर होगी? इसको समझने की करें तो,रूस और चीन दोनों लंबे समय से वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अधिक विविधता की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं ।चीन की विशाल व्यापारिक क्षमता, रूस की ऊर्जा शक्ति और भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार—इन तीनों को यदि व्यापक ब्रिक्स वित्तीय सहयोग से जोड़ा जाए, तो एक ऐसी आर्थिक संरचना विकसित हो सकती है जो डॉलर का तत्काल विकल्प न होते हुए भी उसके प्रभाव क्षेत्र को कुछ हद तक सीमित कर सके ।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी जरूरी है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों के आर्थिक हित एक जैसे नहीं हैं। चीन और भारत के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा है, रूस और भारत की भुगतान व्यवस्था की अपनी चुनौतियां हैं और अलग- अलग देशों की मुद्राओं की स्थिरता भी समान नहीं है। इसलिए ब्रिक्स डॉलर को खत्म कर देगा कहना अतिशयोक्ति होगी। अधिक सटीक निष्कर्ष यह है कि ब्रिक्स डॉलर-केंद्रित व्यवस्था के समानांतर विकल्प विकसित करने की कोशिश कर रहा है ।यही विकल्प यदि ऊर्जा,वस्तुओं, निवेश और सीमा-पार भुगतान जैसे बड़े क्षेत्रों में सफल होते हैं, तो डॉलर का उपयोग समाप्त हुए बिना भी उसकी सापेक्षिक अनिवार्यता सटिका से कम हो सकती है।

साथियों बात अगर हम सांप भी मरे और लाठी भी न टूटे ब्रिक्स का असली मास्टरस्ट्रोक? को समझने की करें तो,पूरी रणनीति को यदि एक वाक्य में समझना हो तो कहा जा सकता है,ब्रिक्स डॉलर को गिराने की घोषणा करने के बजाय डॉलर के बिना कुछ काम करने की क्षमता बढ़ाना चाहता है। यही सांप भी मरे और लाठी भी न टूटे वाली रणनीति है। अमेरिका कह सकता है कि डॉलर अभी सुरक्षित है; ब्रिक्स कह सकता है कि उसका उद्देश्य डॉलर को समाप्त करना नहीं है; लेकिन इसी बीच यदि व्यापार का एक हिस्सा राष्ट्रीय मुद्राओं में स्थानांतरित होता है, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां मजबूत होती हैं और वित्तीय सहयोग बढ़ता है, तो आर्थिक व्यवहार स्वयं बदलाव की कहानी लिख सकता है ।इसलिए आने वाले वर्षों में असली मुकाबला शायद कौन सी मुद्रा दुनिया की नंबर-वन मुद्रा होगी? से ज्यादा महत्वपूर्ण होकर कितने विकल्पों के बीच दुनिया अपना व्यापार कर सकती है? का हो सकता है। डॉलर की बादशाहत केवल किसी ब्रिक्स घोषणा से खत्म नहीं होगी और न ही कोई साझा ब्रिक्स मुद्रा रातोंरात वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बदल देगी। लेकिन यदि ब्रिक्स धीरे-धीरे ऐसा नेटवर्क तैयार कर देता है जिसमें ऊर्जा, व्यापार, निवेश और भुगतान के लिए डॉलर की आवश्यकता कुछ क्षेत्रों में कम हो जाए, तो अमेरिकी मुद्रा की वैश्विक भूमिका पर दीर्घकालीन दबाव अवश्य बन सकता है।

मनी लॉन्ड्रिंग : अपराध की काली कमाई को सफेद करने का खेल

डॉ. सत्यवान सौरभ

मनी लॉन्ड्रिंग अर्थात धनशोधन आज केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और अवैध व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय आधार बन चुका है। सामान्य शब्दों में कहें तो मनी लॉन्ड्रिंग वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से अपराध से अर्जित धन के वास्तविक स्रोत को छिपाकर उसे वैध अथवा कानूनी रूप से अर्जित धन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। अपराधी जानते हैं कि केवल अवैध तरीके से धन कमाना पर्याप्त नहीं है; उस धन को ऐसी व्यवस्था में शामिल करना भी आवश्यक है, जिससे उसकी वास्तविक उत्पत्ति का पता लगाना कठिन हो जाए। यही कारण है कि आधुनिक वित्तीय व्यवस्था में धनशोधन की चुनौती लगातार जटिल होती जा रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग की प्रक्रिया को सामान्यत: तीन प्रमुख चरणों में समझा जाता है—प्लेसमेंट, लेयरिंग और इंटीग्रेशन। पहले चरण में अपराध से प्राप्त धन को वित्तीय व्यवस्था में प्रवेश कराया जाता है। इसे प्लेसमेंट कहा जाता है। उदाहरण के लिए, बड़ी मात्रा में प्राप्त अवैध नकदी को अलग-अलग बैंक खातों में जमा करना, छोटी-छोटी रकम में विभाजित करके लेन-देन करना या नकदी आधारित व्यवसायों के माध्यम से उसे वित्तीय प्रणाली में शामिल करना इसके तरीके हो सकते हैं। अपराधी इस चरण में विशेष रूप से इसलिए सावधानी बरतते हैं क्योंकि यहीं अवैध धन और वित्तीय व्यवस्था के बीच पहला संपर्क स्थापित होता है।

दूसरे चरण को लेयरिंग कहा जाता है। इसका उद्देश्य धन के वास्तविक स्रोत को छिपाना और जांच एजेंसियों के लिए उसके रास्ते को जटिल बनाना होता है। इसके लिए अनेक बैंक खातों, कंपनियों, मध्यस्थ संस्थाओं और वित्तीय लेन-देन का इस्तेमाल किया जा सकता है। धन को एक खाते से दूसरे खाते, एक कंपनी से दूसरी कंपनी अथवा एक देश से दूसरे देश में स्थानांतरित किया जा सकता है। कई बार कागजों पर मौजूद कंपनियों या जटिल व्यावसायिक लेन-देन के माध्यम से धन की ऐसी परतें बनाई जाती हैं कि उसके मूल स्रोत तक पहुंचना कठिन हो जाए। डिजिटल वित्तीय व्यवस्था ने जहां लेन-देन को आसान बनाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन के तेज आवागमन ने अपराधियों के लिए नई चुनौतियों और नए अवसरों दोनों को जन्म दिया है। तीसरा चरण इंटीग्रेशन अर्थात एकीकरण है। इस चरण में धन को इस प्रकार अर्थव्यवस्था में वापस लाया जाता है कि वह वैध आय या निवेश जैसा दिखाई देने लगे। अपराध से अर्जित धन का इस्तेमाल संपत्ति खरीदने, व्यापार में निवेश करने, कंपनियों में पूंजी लगाने या अन्य वैध आर्थिक गतिविधियों में किया जा सकता है। एक बार धन वैध आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बन जाता है तो उसके आपराधिक स्रोत की पहचान करना और भी मुश्किल हो सकता है। इस प्रकार अपराध से अर्जित धन धीरे-धीरे वैध अर्थव्यवस्था में घुलने लगता है।

मनी लॉन्ड्रिंग की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह अपराध और अर्थव्यवस्था के बीच एक खतरनाक पुल का काम करता है। यदि अपराध से प्राप्त धन को आसानी से वैध बनाया जा सके तो अपराधियों को अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। भ्रष्टाचार से अर्जित धन, मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय, अवैध खनन, धोखाधड़ी, तस्करी और संगठित अपराध से जुड़ी कमाई को धनशोधन के माध्यम से छिपाया जा सकता है। इसके कारण अपराध की आर्थिक नींव मजबूत होती है और कानून का शासन कमजोर पड़ता है।

धनशोधन वित्तीय संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं यदि अवैध धन के प्रवाह को पहचानने और रोकने में असफल रहती हैं तो पूरी वित्तीय व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े होते हैं। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर अवैध धन का प्रवाह बाजार में प्रतिस्पर्धा को विकृत कर सकता है। ईमानदारी से कारोबार करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं उन लोगों से पिछड़ सकते हैं, जिनके पास अपराध से अर्जित पूंजी उपलब्ध है। इस तरह धनशोधन केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और वित्तीय स्थिरता का भी प्रश्न है। भारत ने धनशोधन से निपटने के लिए एक व्यापक कानूनी और संस्थागत ढांचा विकसित किया है। धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 इसका प्रमुख कानूनी आधार है। इस कानून का उद्देश्य अपराध से अर्जित आय की पहचान, जांच, कुर्की और परिस्थितियों के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया को सक्षम बनाना है। यह कानून उन गतिविधियों पर कार्रवाई का आधार प्रदान करता है, जिनके माध्यम से अपराध से प्राप्त संपत्ति को छिपाने, रखने, उपयोग करने या उसे वैध दिखाने का प्रयास किया जाता है।

इस कानून के क्रियान्वयन में प्रवर्तन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रवर्तन निदेशालय धनशोधन से जुड़े मामलों की जांच करता है तथा अपराध से अर्जित संपत्ति का पता लगाने और उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाता है। दूसरी ओर, वित्तीय खुफिया इकाईझभारत संदिग्ध वित्तीय लेन-देन से संबंधित सूचनाओं का विश्लेषण करती है। वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त सूचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना धनशोधन विरोधी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वित्तीय संस्थाओं के लिए अपने ग्राहक को जानो अर्थात केवाईसी व्यवस्था भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण उपकरण है। ग्राहक की पहचान और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी से संदिग्ध खातों तथा असामान्य लेन-देन की पहचान में मदद मिलती है। संदिग्ध लेन-देन की रिपोर्टिंग संबंधी दायित्व भी वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाते हैं। हालांकि केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इन नियमों का पालन प्रभावी, समान और तकनीकी रूप से सक्षम तरीके से हो।

धनशोधन की प्रकृति सीमा-पार होने के कारण अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। अपराधी एक देश में धन अर्जित करके दूसरे देश में उसे स्थानांतरित कर सकते हैं और तीसरे देश में निवेश कर सकते हैं। इसलिए भारत को अन्य देशों, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं और संबंधित जांच एजेंसियों के साथ सूचना साझा करने, संदिग्ध लेन-देन का पता लगाने और अवैध संपत्तियों की पहचान करने में सहयोग बढ़ाना होगा। वैश्विक स्तर पर धनशोधन के विरुद्ध सहयोग जितना मजबूत होगा, अपराधियों के लिए वित्तीय व्यवस्था का दुरुपयोग करना उतना ही कठिन होगा। फिर भी चुनौती समाप्त नहीं हुई है। डिजिटल भुगतान, आभासी संपत्तियां, जटिल कॉरपोरेट संरचनाएं और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन ने धनशोधन के तौर-तरीकों को लगातार बदल दिया है। इसलिए भारत को तकनीक आधारित वित्तीय निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक क्षमताओं का जिम्मेदारी से उपयोग बढ़ाना होगा। साथ ही, जांच एजेंसियों की क्षमता, विशेषज्ञता और विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय को मजबूत करना भी आवश्यक है।

अंतत: मनी लॉन्ड्रिंग के विरुद्ध लड़ाई केवल अपराधियों की संपत्ति जब्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य अपराध से होने वाले आर्थिक लाभ को समाप्त करना होना चाहिए। जब अपराधी को यह विश्वास हो जाएगा कि अवैध कमाई को सुरक्षित रूप से वैध धन में बदलना आसान नहीं है, तभी अपराध की आर्थिक संरचना पर प्रभावी प्रहार होगा। मजबूत कानून, सक्षम संस्थाएं, सतर्क वित्तीय प्रणाली, आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग—इन सभी के समन्वित प्रयास से ही भारत अपराध की काली कमाई को वैध अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने से प्रभावी रूप से रोक सकता है।

सूर्य देवता के आशीर्वाद से मिल रही है मुफ्त बिजली

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना से जिले में सौर ऊर्जा को मिल रहा बढ़ावा, 2000 से अधिक घरों में स्थापित हुए सोलर संयंत्र

शशि रत्न पाराशर, उप संचालक

सूर्य की ऊर्जा को घर-घर की जरूरत से जोड़ने की दिशा में धमतरी जिला तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना ने जिले के नागरिकों के बीच स्वच्छ ऊर्जा के प्रति नया उत्साह पैदा किया है। बिजली के खर्च में राहत, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की यह पहल अब शहरों से आगे गांवों तक पहुंच रही है। जिले में अब तक 2,031 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। हितग्राही बोल रहे सूर्य देवता के आशीर्वाद से मिलती मुफ्त बिजली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 फरवरी 2024 को पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना शुरू करने की घोषणा की थी। इससे पहले 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद उन्होंने एक करोड़ घरों को रूफटॉप सोलर से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना की परिकल्पना सामने रखी थी। बाद में इसे ह्यपीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना का स्वरूप दिया गया। केंद्र सरकार ने योजना के लिए 75,021 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और एक करोड़ परिवारों को रूफटॉप सोलर से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। पात्र परिवारों को 3 किलोवॉट तक के संयंत्र पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केंद्रीय वित्तीय सहायता मिलती है।

धमतरी में योजना की प्रगति इसकी स्वीकार्यता को दशार्ती है। माह अगस्त 2026 तक जिले में 7,177 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 7,175 की फीजिबिलिटी स्वीकृत हुई। 6,034 हितग्राहियों ने वेंडर का चयन किया और 2,031 घरों में संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। स्थापना के बाद 1,938 प्रकरणों में निरीक्षण स्वीकृत हुआ है। 1,745 हितग्राहियों की सब्सिडी रिडीम हुई, 1,627 प्रकरणों में सब्सिडी स्वीकृत तथा 1,555 हितग्राहियों को सब्सिडी वितरित की जा चुकी है।

जिले के सुदूर अंचल में यह योजना एक नए रूप में दिखाई दे रही है। नगरी विकासखंड का ग्राम ठेनही जिले का पहला गांव बना है, जहां सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। गांव के 71 परिवारों के लिए 2-2 किलोवॉट, अर्थात कुल 142 किलोवॉट क्षमता का सामूहिक सोलर प्लांट लगाया गया है। गांव से लगभग 50 से 75 मीटर दूरी पर उपलब्ध भूमि पर स्थापित इस संयंत्र के लिए ग्रामीणों से राशि नहीं ली गई है। आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद विद्युत उत्पादन और घरों में कनेक्शन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

कार्यपालन अभियंता विद्युत अनिल सोनी के अनुसार जिले के ऐसे 55 गांवों का चयन किया गया है, जहां पक्की छत वाले मकानों की उपलब्धता सीमित है और खपरैल वाले मकान अधिक हैं। ऐसे गांवों में वेंडरों द्वारा सब्सिडी राशि के माध्यम से आवश्यकता के अनुरूप सामूहिक सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं। ठेनही के ग्रामीण श्री इंदर सिंह नेताम इसे गांव के लिए खुशी और राहत का अवसर बताते हैं। उनके अनुसार इससे बिजली बिल की चिंता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

नाथूकोना ग्राम सहित जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी सौर ऊर्जा को जनभागीदारी और स्थानीय जरूरतों से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से सोलर दीदी के पंजीयन एवं प्रशिक्षण की पहल भी की जा रही है, ताकि ग्रामीण महिलाओं को सोलर उत्पादों और सेवाओं से जोड़ा जा सके। उन्हें संयंत्रों के संचालन, आवश्यक सावधानियों तथा ग्रामीण स्तर पर सौर सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर सेवा, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रयासों के बीच धमतरी की यह तस्वीर उल्लेखनीय है। यहां सौर ऊर्जा केवल बिजली का वैकल्पिक स्रोत नहीं बन रही, बल्कि यह आर्थिक बचत, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण आजीविका और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को एक साथ आगे बढ़ाने का माध्यम बन रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने योजना की प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए हैं। धमतरी में सूर्य की रोशनी अब घरों को रोशन करने के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की नई राह भी प्रकाशित कर रही है।

जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक में गौधामों के बेहतर संचालन पर हुई विस्तार से चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने गौधामों में पानी, चारा और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए। बैठक में गौधामों के संचालन एवं व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। जिन गौधामों का संचालन नगरपालिका द्वारा नहीं किया जा सकता, वहां इच्छुक संस्था अथवा समिति से संचालन के लिए प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए गए।

पाटन, अमलेश्वर और अहिवारा के गौधामों के संचालन के लिए इच्छुक संस्थाओं एवं समितियों से प्रस्ताव लेने कहा गया। बैठक में निर्देशित किया गया कि जहां गौधाम संचालित हो रहे हैं, वहां निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं के लिए पर्याप्त पानी, चारा और चिकित्सा की व्यवस्था सुनिश्चित हो। पशुओं के संरक्षण एवं देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

गौधाम का उद्देश्य निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं तथा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 एवं छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण नियम, 2014 के अंतर्गत जप्त गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना है। इसके साथ ही गौ उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम विकसित करना, गौधामों को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, पशु नस्ल सुधार को प्रोत्साहित करना तथा जनसामान्य को गौसेवा के लिए प्रेरित करना प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं। इससे गौ आधारित गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के अवसर भी विकसित किए जा सकेंगे।

गौधाम संचालन के लिए पंचायत, स्व सहायता समूह, छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में पंजीकृत एवं संचालित गौशाला की समिति, स्वयंसेवी संस्था, एनजीओ, ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी तथा सहकारी समिति पात्र संस्थाओं में शामिल हैं। गौधाम के संचालन हेतु स्थानीय ग्राम पंचायत को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राम पंचायत द्वारा गौधाम

का संचालन किए जाने की स्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग द्वारा ग्राम पंचायत से सुरक्षा निधि नहीं ली जाएगी। ग्राम पंचायत द्वारा असहमति अथवा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने पर चिन्हांकित भूमि के आसपास स्व सहायता समूह एवं पंजीकृत संचालित गौशाला की समिति को क्रमवार प्राथमिकता दी जाएगी। चयनित संस्था और छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के मध्य अनुबंध होने के बाद गौधाम का संचालन संबंधित संस्था को सौंपा जाएगा। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जहां गौधाम संचालित हो रहे हैं, वहां पर्याप्त पानी, चारा और चिकित्सा की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं की देखभाल में आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहें। इस अवसर पर गोधाम समिति के अध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. झा, डॉ. देशमुख सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मृतक के परिजनों को मिली 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राकृतिक आपदा एवं दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों को 04-04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चंदखुरी तहसील व जिला दुर्ग निवासी स्व. खेमराज देवांगन की 01 अक्टूबर 2023 को तांदुला नदी में गिरने से पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार ग्राम नगपुरा निवासी स्व. पुनई बाई धनकर की 17 जून 2025 को शिवनाथ नदी के पानी में डूबने से, ग्राम अमेरी तहसील पाटन निवासी स्व. इन्दरमन ठाकुर की 17 अक्टूबर 2024 को नया तालाब में डूबने से तथा वार्ड 17 कादंबरी नगर दुर्ग निवासी स्व. अनिल बंसल की 25 सितंबर 2025 को ग्राम डोमा (पथरिया) स्थित शिवनाथ नदी एनीकेट अरसनारा पार करते समय पैर फिसलने से पानी में बह जाने के कारण डूबने से मृत्यु हुई थी। इसके अतिरिक्त ग्राम भाठागांव तहसील पाटन निवासी स्व. सेवक दास बारले की 12 मई 2025 को जहरीले सांप के काटने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों (आरबीसी 6-4) के अनुरूप स्व. खेमराज देवांगन की पत्नी प्रभा बाई देवांगन को, स्व. पुनई बाई धनकर के पुत्र नीलकंठ धनकर को, स्व. इन्दरमन ठाकुर की पत्नी संतोषी को, स्व. अनिल बंसल की पत्नी पायल बंसल को तथा सर्पदंश से मृत स्व. सेवक दास बारले की माता श्रीमती बरतनीन बारले को 4 लाख-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

खास खबर

मेरे सपनों का भारत में काजल प्रजापति ने रखे अपने विचार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्वच्छ, समृद्ध एवं विकसित भारत की कल्पना

दुर्ग। शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग की छात्रा काजल प्रजापति ने मेरे सपनों का भारत विषय पर अपने विचार साझा करते हुए ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत की, जहां प्रत्येक बच्चे को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। काजल ने अपने विचारों में स्वच्छ एवं समृद्ध समाज की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांव और शहर स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हों। इसके साथ ही बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए पढ़ाई के साथ खेल, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करने किया जाना चाहिए।

दानवीर भामाशाह सम्मान वर्ष 2026 के लिए 30 सितम्बर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

दुर्ग। समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति/संस्था को दानवीर भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाता है। वर्ष 2026 के सम्मान के लिए पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। सम्मान के रूप में एक लाख रूपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

चयन के लिए मापदण्ड-व्यक्ति संस्था का पूर्ण परिचय। व्यक्ति/संस्था छत्तीसगढ़ में निवासरत/कार्यरत हो। व्यक्ति/संस्था का पिछला कार्य उत्कृष्ट हो और वर्तमान में भी निरंतर सक्रिय हो। पुरस्कार के ज्यूरी के सदस्यों की प्रविष्टियां मान्य नहीं होगी। दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गए कार्यो का विस्तृत विवरण। अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण। उत्कृष्ट कार्यो के संबंध में प्रकाशन, प्रख्यात व्यक्तियों/पत्र पत्रिकाओं द्वारा की गई टिप्पणी। निरंतर कियाशील एवं निर्विवाद होने के विषय में जिला कलेक्टर की अनुशंसा। चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने की लिखित सहमति एवं पासपोर्ट साईज के 03 फोटोग्राफ्स। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं निर्धारित प्रारूप में अपनी प्रविष्टियां 30 सितम्बर 2026 तक कार्यालय उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग दुर्ग में जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टियां निम्नांकित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रस्तुत किया जाये - श्रेणी, व्यक्ति/संस्था का पूर्ण परिचय। पासपोर्ट साईज 3 फोटो। दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गये कार्यो का विस्तृत वर्णन। राष्ट्र प्रेम एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किये गए कार्य। अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण। व्यक्ति/संस्था के योगदान का कार्यक्षेत्र में व्यापक प्रभाव/नवाचार। आवेदनकर्ता व्यक्ति/संस्था का पदाधिकारी जूरी का सदस्य (हों/नहीं) अथवा शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था में कार्यरंत (हॉ/नहीं), प्रमाण/संपत्तियां। व्यक्ति/संस्था के प्रकाशनों पर टीप/अभिमत।

बदलाव की कहानी : खेदीबाई का घर का सपना हुआ साकार

दुर्ग। देश के प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा एवं समर्पण अंतर्गत संचालित महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना से खेदी बाई के घर बनाने का सपना साकार हुआ है। घर बनने से जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। दुर्ग शहर के पंचशील नगर वार्ड क्रमांक 1 में रहने वाली श्रीमती खेदी बाई सिन्हा के पति की मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में हो गई। उन्होंने अपने तीन बच्चों का भरण-पोषण व जीवनयापन के लिए दैनिक मजदूरी के कार्य को अपनाया। बच्चों की शिक्षा एवं विवाह कार्य में उनकी जमा पूंजी खर्च हो जाने के कारण खेदीबाई के पक्के घर का सपना अधूरा रह गया। प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने भी निगम कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया। योजनांतर्गत मकान निर्माण की स्वीकृति मिलने पर श्रीमती खेदीबाई के बैंक खाते में सीधे राशि हस्तांतरित की गई है। शासन से प्राप्त राशि पक्के मकान बनाने में सहायक रही।

सीवीओ दिलीप कुमार ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा

उत्पादन गतिविधियों का लिया जायजा, सतर्कता एवं पारदर्शिता को लेकर अधिकारियों से किया संवाद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) दिलीप कुमार ने त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैम्पेन के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संयंत्र की उत्पादन गतिविधियों, विभिन्न परिचालन क्षेत्रों तथा सतर्कता संबंधी कार्यों की समीक्षा की। इससे पहले उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र की राजहरा माइंस का भी दौरा कर खनन गतिविधियों और कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

संयंत्र भ्रमण के दौरान सीवीओ के साथ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (विजिलेंस, सेल) एवं अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक (विजिलेंस) ज्ञानेश झा मौजूद रहे। भ्रमण की शुरूआत मेन गेट स्थित सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र से हुई, जहां उन्हें संयंत्र में भ्रमण के दौरान आवश्यक सुरक्षा निर्देशों की जानकारी दी गई।

इसके बाद सीवीओ बार एंड रॉड मिल पहुंचे और उत्पादन प्रणाली एवं परिचालन गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने यूआरएम में विश्व की सबसे लंबी 260 मीटर रेल की रोलिंग प्रक्रिया भी देखी और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली।

संयंत्र के समग्र प्रदर्शन की समीक्षा

निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित सेल समीक्षा बैठक में निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सीवीओ दिलीप कुमार ने शीर्ष प्रबंधन के साथ संयंत्र के समग्र प्रदर्शन पर विस्तृत चर्चा की और विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

इसके बाद सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर सभागार में लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन आयोजित किया गया। इसमें सीवीओ ने वरिष्ठ प्रबंधन एवं अधिकारियों के साथ सतर्कता, पारदर्शिता, नैतिक कार्यसंस्कृति और उत्तरदायी कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर संवाद किया।

इस अवसर पर ज्ञानेश झा, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एसीवीओ (विजिलेंस) सुनील सिंघल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान सीवीओ ने भिलाई इस्पात संयंत्र की विजिलेंस गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से सतर्कता संबंधी प्रावधानों का पालन करते हुए कार्यों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और नियमों के अनुपालन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

126 सरोवरों में रोशनी जल संरक्षण का संकल्प

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के 126 अमृत सरोवरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। इनमें दुर्ग के 38, धमधा के 50 और पाटन के 38 अमृत सरोवर शामिल हैं। ग्रामीणों ने सरोवरों के किनारे दीप प्रज्ज्वलित कर जल संरक्षण की इन परिसंपत्तियों के संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत थनौद, जनपद पंचायत दुर्ग में निर्मित अमृत सरोवर के किनारे भी 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित किया गया। सरपंच मोनका देशमुख, सचिव रेखा साहू और पंच धनराज देवांगन की मौजूदगी में ग्रामीणों ने दीप जलाकर जल संरक्षण और अमृत सरोवर के सतत संरक्षण का संकल्प लिया।

जानने की शिक्षा के साथ जीने की शिक्षा भी जरूरी : अक्षय मुनि

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

जैन संत शासन दीपक अक्षय मुनि मसा ने चातुर्मास श्रृंखला के दौरान आयोजित धर्मसभा में कहा कि आज संसार में अनेक शिक्षण संस्थान हैं, जहां जानने की शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन जीने की शिक्षा का अभाव है। उन्होंने कहा कि जीवन भी एक वीणा है और हमारी वाणी भी वीणा के समान है। व्यक्ति के व्यक्तित्व को पहचानना हो तो उसे बोलने दें, क्योंकि उसका व्यक्तित्व उसकी जुबान में छिपा होता है। उन्होंने कहा कि व्यवहार को कुशल बनाए रखने के लिए वाणी में मिठास जरूरी है। हम जब किसी का अपमान करते हैं तो वास्तव में अपना ही सम्मान खोते हैं। इसलिए जीवन में संयम, मधुरता और सकारात्मक व्यवहार को अपनाना चाहिए। मनुष्य के पास अमृत का भंडार है, लेकिन वह उसका उपयोग करना नहीं सीख पा रहा है।

अक्षय मुनि ने कहा कि दुनिया में विज्ञान ने बहुत प्रगति की है, लेकिन ऐसा कोई संस्थान नहीं है जो मनुष्य को वास्तव में विकसित करना सिखा सके। आज भी मनुष्य अपने भीतर के विकास से दूर है। उन्होंने कहा कि संसार के सभी प्राणी हमारे भाई हैं। पशुओं के प्रति हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जानवरों को मारना आसान समझ लिया गया है, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि हमारे कर्मो का परिणाम एक दिन हमारे सामने लौटकर आता है। संत ने कहा कि मानवीय भूलों के कारण संसार में अनेक त्रासदियां और विनाशकारी घटनाएं होती हैं। बीते दिनों नेपाल में हुई त्रासदी को भी हमें नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल गणित का खेल खेल रहा है, जबकि जीवन के सापेक्ष सत्य को समझने की आवश्यकता है। जीवन को रसपूर्ण बनाना चाहिए और धर्म को दीपक की तरह केवल टिमटिमाने के बजाय अपने आचरण से प्रकाशित करना चाहिए।

उन्होंने कहा, पुण्य-पाप के गीत गाना बंद करो, विवेक के गीत गाओ। धर्म का स्वभाव विराट होना है, लेकिन मनुष्य लगातार संकुचित होता जा रहा है। उन्होंने लोगों से स्वयं के जीवन का निर्णय स्वयं लेने और दूसरों के जीवन के बारे में अनावश्यक टिप्पणी से बचने की सीख दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति को मनुष्य ने जितना नुकसान पहुंचाया है, उसका हिसाब कुदरत एक दिन जरूर करेगी। अक्षय मुनि ने श्रद्धालुओं से अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करते रहने तथा दुनिया की बातों में उलझने के बजाय अपने आचरण और कर्म पर ध्यान देने का आह्वान किया।

जैन संत की प्रेरणा से चातुर्मास के दौरान त्याग, तपस्या और धर्म आराधना का क्रम जारी है। धर्मसभा में तपस्या की कड़ी में श्रीमती सोनम श्रीश्रीमाल ने 19 उपवास, श्रीमती रितु बाफना ने 18 उपवास, श्रीमती हितीक्षा चोपड़ा ने 11 उपवास तथा गिरीश कंवाड ने 10 उपवास की तपस्या का प्रत्याख्यान संकल्प ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ स्तरीय स्वाध्यायी सम्मेलन में प्रदेशभर से पहुंचे धर्मप्रेमी

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

साधुमार्गी जैन संघ छत्तीसगढ़ एवं साधुमार्गी संघ बालोद के तत्वावधान में महावीर भवन और समता भवन में छत्तीसगढ़ स्तरीय स्वाध्यायी सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें प्रदेशभर से आए धर्मप्रेमियों ने भाग लिया। जैन संत अक्षयमुनिजी मसा के सानिध्य में धर्म, साधना, आत्मबोध और महावीर की वाणी पर विचार-विमर्श हुआ। श्रद्धालुओं ने चातुर्मास 2027 के लिए संतश्री से विनती भी की।

समता भवन में प्रवचन के दौरान अक्षयमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर की वाणी हजारों वर्ष पुरानी है और साधु-संत उसका संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम हैं। बाहरी सुविधाओं से आंतरिक पीड़ा दूर नहीं हो सकती। इसके लिए साधना, एकाग्रता, ध्यान और आत्मबोध जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी समस्याओं का समाधान बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जबकि वास्तविक

समाधान भीतर झांकने से मिलता है।

अहंकार और भ्रम से बचने का संदेश

अक्षयमुनिजी ने कहा कि मैं और अहंकार मनुष्य की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। भगवान महावीर का सापेक्षवाद परस्पर सहयोग और सकारात्मक सोच का संदेश देता है। व्यक्ति को विचार करना चाहिए कि उसका व्यवहार समाज की प्रगति में सहायक है या बाधक। अहंकार और भ्रम से भरा जीवन संसार की बड़ी बीमारी है।

उन्होंने सत्य, सरलता, संयम और अनुशासित जीवन को आवश्यक बताते हुए कहा कि बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं जीवनशैली के असंतुलन का संकेत हैं। केवल बाहरी उपचार के बजाय साधना, ध्यान और आत्मजागरण को जीवन में स्थान देना चाहिए।

प्रदेशभर से पहुंचे धर्मप्रेमी

सम्मेलन में रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, खरियार रोड, महासमुंद, मानपुर, दल्लीराजहरा और अछोली सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। मनीष गोलछा, तिलोकचंद जैन, चंपालाल गुंदेचा, अशोक देशलहरा, अमरचंद जैन, जितेंद्र बाफना, सिद्धी कोटडिया, राजेश पारख और विनोद पारख सहित श्रद्धालुओं ने संतश्री के समक्ष भाव व्यक्त किए और चातुर्मास 2027 के लिए विनती रखी। स्वाध्यायी सेवा में योगदान देने वाले भाई-बहनों का महावीर भवन में अभिनंदन किया गया।

तपस्या का क्रम जारी

अक्षयमुनिजी की प्रेरणा से उपवास और तपस्या का क्रम जारी है। बुधवार को सोनम श्रीश्रीमाल ने 18, रितु बाफना और लोमिनी नाहटा ने 17-17, निर्मल नाहटा और निधि कोटडिया ने 12-12 तथा अरुण राय सोनी, संजना चोरड़िया, वर्षा चोरड़िया, अविरल नाहटा और सुकमा बाई मानपुर ने 11-11 उपवास किए। हितीक्षा चोपड़ा और शोभना बाफना ने 10-10, गिरीश कंवाड ने 9 तथा भाविका राय सोनी ने 7 उपवास का संकल्प लिया। सम्मेलन में श्रद्धालुओं ने धर्म, संयम, आत्मबोध और परस्पर सहयोग को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम — नवीनतम सूचना व संचार प्रौद्योगिकी, ई-कोर्ट सेवाओं और डिजिटल न्यायिक प्रणालियों के संबंध में अद्यतन व व्यावहारिक जानकारी दी

कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर व N-STEP प्रशिक्षण आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर द्वारा उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं माननीय ई-कमेटी, के निदेर्शानुसार के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में न्यायालयीन कर्मचारियों के ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता के उन्नयन के उद्देश्य से 19 सितम्बर 2026 को जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम एवं N-STEP प्रशिक्षण (ECT_8_2026) तथा जिला मुख्यालय के न्यायालयीन कर्मचारियों हेतु रिफ्रेशर कार्यक्रम (ECT_9_2026) ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हुआ। कार्यक्रम के लिए दीपक कोसले, पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग को नोडल ऑफिसर एवं पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, अष्टम जिला एवं

अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंधन एवं सुचारु संचालन में कोर्ट मैनेजर उदयन दुबे एवं प्रमोद अचिन्त्य की सहभागिता रही, जबकि आवश्यक तकनीकी सहयोग तरुण चंद्राकर एवं ऋषि निर्मलकर द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में Virtual Court–Traffic and Transport, e-Summons/N-STEP, e-Sakshya तथा CIS 4.0 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में NJDG, e-Court Services, e-Filing, Video Conferencing एवं Hybrid Hearings तथा FASTER से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के कम्प्यूटर सेल से प्रिंस कश्यप, कम्प्यूटर प्रोग्रामर; आसिफ खान, नेटवर्क इंजीनियर तथा विवेक दुबे, सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण में जिला न्यायालय दुर्ग के चयनित प्रशिक्षार्थियों में आरआर मानिकपुरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा नंदकिशोर माटे, डिप्टी सीएफसी सहित आदेशिका लेखकगण एवं आदेशिका वाहकगण को सम्मिलित करते हुए कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन कर्मचारियों को न्यायिक कार्यप्रणाली में उपयोग की जा रही नवीनतम सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ई-कोर्ट सेवाओं तथा डिजिटल न्यायिक प्रणालियों के संबंध में अद्यतन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था, जिससे वे दैनिक न्यायालयीन कार्यों में इन तकनीकों का अधिक प्रभावी एवं दक्षतापूर्वक उपयोग कर सकें।

जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को N-STEP, CIS 4.0, e-Summons, e-Sakshya, NJDG, e-Filing, Virtual Court, Hybrid Hearing तथा FASTER जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल न्यायिक सेवाओं एवं प्रणालियों की कार्यप्रणाली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

बीआईटी कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत 18 सितंबर को बीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज, दुर्ग के ऑडिटोरियम में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों, डिजिटल सुरक्षा, सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन और साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी दी। प्रतिभागियों को अनजान लिंक, कॉल, मैसेज और ऑनलाइन ऑफर से सावधान रहने तथा बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने की समझाइश दी गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प, दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ जावेद तथा एचडीएफसी बैंक के बीएम अजय भटनागर ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब देते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में दुर्ग पुलिस के साथ अग्रवाल यूथ क्लब, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया और एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधियों ने सहयोग किया। पुलिस ने अपील की कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करें और घटना से संबंधित जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराएं।

8 साल बाद एक्ट्रेस की छोटे पर्दे पर वापसी करेंगी रश्मि देसाई

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

इस शो में नजर आएंगी

रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्यों ऑफर्स ठुकरा रहीं थीं रश्मि?

टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है।

कैसा रहेगा शो में रश्मि का किरदार?

अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

कब शुरू होगा 'सयोनी' शो?

रश्मि देसाई इससे पहले 'उतरन' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। अब करीब 8 साल बाद वह 'सयोनी' के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं। यह शो 23 सितंबर से शाम 7:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

पटना के 16वीं सदी के मंदिर पर बेस्ड है फिल्म 'द वन'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अगली फिल्म 'द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट है। इसकी कहानी बिहार की धरती से निकली है। टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने एक हालिया मीडिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि यह आइडिया उन्हें तब आया जब उन्होंने पटना के पास स्थित वन देवी मंदिर का दौरा किया था। स्थानीय पुजारियों और ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्हें पता चला कि वन देवी मंदिर 16वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर के इर्द-गिर्द के जंगल को लेकर सदियों से एक अनकही मान्यता चली आ रही है कि सूर्यास्त के बाद वहां जाना वर्जित है।

फिल्म का अनोखा कॉन्सेप्ट सुनते ही तैयार हुई थीं एकता कपूर

अरुणाभ ने करीब दो साल पहले यह किस्सा 'पंचायत' फेम डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा को सुनाया था। दीपक को यह अनोखा कॉन्सेप्ट इतना पसंद आया कि वे इसे लेकर सीधे एकता कपूर के पास पहुंचे और एकता ने भी इसे बड़े परदे पर उतारने का मन बना लिया।

जंगल के रहस्यमयी माहौल जैसी दुनिया रचना चुनौतीपूर्ण रहा

निर्देशक दीपक के मुताबिक, इस फिल्म को बनाते वक्त उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस दुनिया को रचना था, जो आज के समय जैसी भी लगे और जंगल के रहस्यमय माहौल को भी सही तरीके से दिखा सके।'

फिल्म में हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स भी दिखेंगे

कहानी को जीवंत बनाने के लिए हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया गया है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

अपने रिटायरमेंट की खबरों पर बिग बी ने दी सफाई

अमिताभ बच्चन इन दिनों 'केबीसी 18' होस्ट कर रहे हैं। वहीं व्यक्तिगत रूप से नह ब्लॉग के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने रिटायरमेंट की इच्छा जताई थी। अब इस पर एक्टर ने अपनी बात रखी है।

उनकी रिटायरमेंट से जुड़ी खबरें आने के बाद बिग भी ने अपना अगला ब्लॉग इसी पर लिखा। उन्होंने स्थिति साफ करते हुए कहा, 'जी नहीं हुजूर, मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा हूं। इसका मतलब था कि मैं सोने जा रहा हूं, और वहां आपको आने की अनुमति नहीं है।'

शो को होस्ट करना बताया था मुश्किल

अमिताभ बच्चन ने अपने पुराने ब्लॉग में लिखा था, 'कुछ प्रतिभागी इतनी गंभीर निजी कहानियां लेकर आते हैं कि न सिर्फ उनके लिए अपनी भावनाओं को संभालना, बल्कि शो को होस्ट करते रहना भी मुश्किल हो जाता है। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करूंगा क्योंकि इससे चैनल और होस्ट के बीच कुछ गलतफहमी हो सकती है। मगर यह अनुभव दिल तोड़ने वाला रहा है।'

'केबीसी 18' के बारे में

'कौन बनेगा करोड़पति' क्विज शो सोमवार से शुक्रवार रात नौ बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन प्रसारित होता है। इस शो की शुरूआत ब्रिटिश शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' के भारतीय वर्जन के रूप में हुई थी। 'केबीसी' से अमिताभ बच्चन ने टीवी पर पहली बार डेब्यू किया था। अमिताभ बच्चन को शो के होस्ट के रूप में दर्शकों ने खूब प्यार दिया।

रोहित रॉय के 'डस्टबिन मीडियम' वाले बयान से चाहत खन्ना सहमत

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। आईएएनएस से खास बातचीत में चाहत ने कहा, ''मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।''

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, ''अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।'' चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, ''मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर 'नागिन' जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।''

चाहत ने आगे कहा, ''अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।''

गौरतलब है कि रोहित रॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में टीवी और फिल्मों के बीच के फर्क पर बात की थी। टीवी के पॉपुलर चेहरों में शामिल रहे रोहित ने कहा था कि मौजूदा समय में टीवी पर आने वाला काफी कंटेंट जल्दी भुला दिया जाता है और कई शोज में एक जैसे कॉन्सेप्ट दोहराए जाते हैं। उन्होंने टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' बताते हुए इसकी क्रिएटिविटी पर सवाल उठाया था।

मशहूर गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना

भारत की महान कर्नाटक शास्त्रीय गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की असाधारण जिंदगी और संगीत के सफर पर आधारित इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों और संगीत की अमिट विरासत को पर्दे पर उतारा जाएगा। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्ननुरी निर्देशन और अनिरुद्ध रविचंदर संगीत की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी 110वीं जयंती पर चेन्नई में फिल्म का आधिकारिक लॉन्च किया गया। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम. एस. सुब्बुलक्षमी का किदार निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्नानुरी इसका निर्देशन करेंगे। वहीं, फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। फिल्म को गौतम तिन्ननूरी निर्देशित कर रहे हैं जो 'Jersey' और 'Kingdom' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कहानी में सुब्बुलक्ष्मी के जीवन के अलग-अलग दौर और उनके असाधारण संगीत करियर को दिखाने की बात सामने आई है। फिल्म की रिलीज डेट, पूरा टाइटल और स्टार कास्ट की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। शुरुआती रिपोर्टों में पहले साई पल्लवी और दूसरी एक्टर्स के नाम भी सामने आए थे, लेकिन अब रश्मिका मंदाना की कास्टिंग आधिकारिक रूप से घोषित हो चुकी है।

लॉन्च से जुड़ी सबसे बड़ी खबरों में से ये कनफर्म है कि अनिरुद्ध रविचंदर एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी बायोपिक के लिए संगीत तैयार करेंगे। तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर यह संगीतकार अब भारत की सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायिकाओं में से एक की कहानी पर आधारित फिल्म के लिए संगीत बनाने की चुनौती लेंगे। अनिरुद्ध के जुड़ने से इस प्रोजेक्ट में एक और बड़ा नाम शामिल हो गया है, जो पहली बार रश्मिका मंदाना और गौतम तिन्नानुरी को एक साथ ला रहा है। कमल हासन मुख्य अतिथि के तौर पर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए, जिससे इस मौके की अहमियत और बढ़ गई।

रश्मिका मंदाना मशहूर गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी, जो भारत की शास्त्रीय संगीत परंपरा की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक हैं। एक्ट्रेस को चुनने को लेकर पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा हो गई थी, क्योंकि प्रोजेक्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही इस रोल के लिए अन्य एक्टर्स के बारे में खबरें आ रही थीं। रश्मिका अब सुब्बुलक्ष्मी की पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी को पर्दे पर लाने की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस फिल्म को पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर प्लान किया जा रहा है। जबकि सहायक कलाकारों, कहानी और टैकनिकल टीम के अन्य सदस्यों के बारे में और जानकारी बाद में सामने आने की उम्मीद है।

रश्मिका के लिए खास है यह रोल

रश्मिका पहली बार एक ऐसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं, जिसकी पहचान मुख्य रूप से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत से जुड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भूमिका को अपने लिए सम्मान की बात बताया है। फिल्म का पहला लुक और आधिकारिक टाइटल भी लॉन्च के आसपास सामने आने की उम्मीद है।

अक्षय की फिल्म 'समुक' में हुई विनीत की एंट्री

अक्षय कुमार की आने वाली साइंस फिक्शन फिल्म 'समुक' इन दिनों चर्चा में है। इससे जुड़ी कई नई अपडेट के बीच अब खबर है कि एक्टर विनीत कुमार सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 'मुक्काबाज', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले विनीत फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। सूत्रों का कहना है कि उनका किरदार अक्षय के किरदार के साथ एक बड़े मिशन का हिस्सा होगा। दोनों के किरदारों के बीच मजबूत रिश्ता भी देखने को मिल सकता है।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर प्रभारी मंत्री लखनलाल ने की समीक्षा

आशीर्वाद का दीया में जनभागीदारी की सराहना, सभी गतिविधियों में अधिक से अधिक सहभागिता पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

प्रदेश के श्रम, उद्योग और व्यापार, वाणिज्यिक कर मंत्री एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने विश्राम भवन खैरागढ़ में बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अभियान की आगामी गतिविधियों और तिथिवार कार्ययोजना पर चर्चा की। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

प्रभारी मंत्री देवांगन ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस एक माह के अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ प्रभावी स्वरूप दिया जाए। इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों का परस्पर समन्वित सहयोग आवश्यक है।

प्रभारी मंत्री देवांगन ने अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सहभागिता से बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित किया जाना जनभागीदारी की भावना को दशार्ता है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और जिलावासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और समर्पण की यात्रा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण और विकास की भावना को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला पंचायत सदस्य दिनेश साहू, वरिष्ठ नागरिक विशेषर साहू, नवनीत जैन, शशांक ताम्रकार सहित कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक लक्ष्य विनोद शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल के अलावा जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्यक्रम कराने के निर्देश

प्रभारी मंत्री देवांगन ने कहा कि अभियान के तहत निर्धारित तिथिवार कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से आयोजित किया जाए। सभी विभाग अपने दायित्वों का आपसी समन्वय के साथ निर्वहन करें, ताकि अभियान की गतिविधियां जिले के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। उन्होंने कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर देते हुए कहा कि व्यापक जनसहभागिता से ही अभियान की गतिविधियों को प्रभावी बनाया जा सकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए निर्धारित कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संपन्न कराएं तथा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास करें।

आशीर्वाद का दीया बना सामूहिक सहभागिता का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन 17 सितंबर को आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में जिलेभर में बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित किए गए। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों ने उत्साह के साथ इसमें भागीदारी निभाई। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, समर्पण और विकसित भारत के सामूहिक संकल्प को अभिव्यक्त किया गया। प्रभारी मंत्री ने इस व्यापक सहभागिता को अभियान की आगामी गतिविधियों के लिए उत्साहवर्धक बताते हुए जिलेवासियों से पूरे अभियान के दौरान इसी तरह आगे की गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी बनाए रखने का आह्वान किया।

खास खबर

रंगोली, दीयों की रोशनी और स्वच्छता के संकल्प से कबीरधाम में सेवा संकल्प अभियान व स्वच्छता ही सेवा का भव्य आगाज

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत कबीरधाम जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निदेर्शानुसार जिले की ग्राम पंचायतों में आशीर्वाद का दीया जलाकर स्वच्छता एवं जनभागीदारी का संदेश दिया गया। इस आयोजन में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यो में सक्रिय भूमिका निभाने वाली स्वच्छता दीदियों एवं स्वच्छाग्रहियों की विशेष सहभागिता रही।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ग्राम पंचायत बिरकोना, तालपुर, बरपेलाटोला, रुसे, बिरेन्द्रनगर, खारा, समनापुर, जेवड़नकला सहित अन्य ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों द्वारा कचरा संग्रहण केन्द्रों में आकर्षक रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। रंगोली, दीप प्रज्ज्वलन और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से ग्रामीणों को अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता ही सेवा-2026 के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न जनजागरूकता एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्कूली बच्चों के साथ स्वच्छता रैली, ग्राम चौपाल एवं स्वच्छता संवाद, महिला स्वच्छाग्रहियों का सम्मान, एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जागरूकता, श्रमदान एवं ग्रामीणों की सहभागिता, ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन एवं सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के संबंध में जनजागरूकता तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए घर-घर संपर्क अभियान प्रमुख रूप से शामिल हैं।

स्वच्छता से स्वस्थ जीवन और स्वरोजगार का संदेश

उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के दौरान जिले में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन का आधार बनाने के साथ-साथ स्वच्छता से स्वरोजगार की संभावनाओं के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। स्वच्छता गतिविधियों में ग्रामीणों, स्वच्छाग्रहियों, महिला समूहों, स्कूली बच्चों एवं विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित कर अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

रामहेपुर और बांधा टोला में नुक्कड़ नाटक के जरिए सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का दिया संदेश

कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले में जनजागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सहसपुर लोहारा विकासखंड के रामहेपुर शासकीय हाई स्कूल रामहेपुर तथा जरहाटोला संकुल के पूर्व माध्यमिक शाला बांधा टोला में नमो सेवा गाथा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

रामहेपुर शासकीय हाई स्कूल परिसर में आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। वहीं बांधा टोला में दैहान चौक पर आयोजित नुक्कड़ नाटक में कलाकारों ने प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, जनसेवा और समाज के विकास में नागरिकों की भागीदारी के महत्व को बताया। ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नाटक का अवलोकन किया।

बांधा टोला में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा के उपाध्यक्ष अशोक पटेल, सरपंच राजेंद्र पटेल, शाला विकास समिति के अध्यक्ष संतराम पटेल, सचिव धनुष वर्मा, शाला विकास समिति के सदस्य कृष्णा पटेल, जिला मिशन समन्वयक विनोद श्रीवास्तव, बीआरपी नरेश सोनी, संकुल समन्वयक योगेंद्र साहू, प्रधान पाठक श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, प्राथमिक शाला की प्रधान पाठक श्रीमती रुकिया खातून सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन प्रस्तुतियों का उद्देश्य जन-जन तक सेवा और विकास से जुड़े संदेशों को सरल एवं प्रभावी माध्यम से पहुंचाना तथा आमजन को जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ना है।

शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, पीढ़ियों का निर्माण करते हैं : दीपेश साहू

शिक्षक सम्मान व रक्तदान शिविर का आयोजन, सेवानिवृत्त और उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज 1993 से चली आ रही गौरवशाली परंपरा के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण बेरला में शिक्षक सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त, उत्कृष्ट शिक्षकों और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। रक्तदान शिविर में 16 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, अतिविशिष्ट अतिथि शिक्षा आयोग अध्यक्ष सुधीर गौतम एवं अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने की।

इस अवसर पर दीपेश साहू ने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, बल्कि पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। शिक्षा व्यवस्था की आत्मा शिक्षक होती है। एक शिक्षक का छोटा सा मार्गदर्शन विद्यार्थी का पूरा जीवन बदल देता है। उन्होंने कहा कि 1993 से निरंतर चल रहा यह सम्मान समारोह बेरला की शिक्षा के प्रति सम्मान की जीवंत परंपरा है। उन्होंने कहा कि आज केवल डिग्री नहीं, शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी है। शिक्षक राष्ट्र निर्माण के मौन शिल्पकार हैं। विधायक श्री दीपेश साहू ने रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की उम्मीद बन सकता है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष माधुरी परगनिहा, नगर पंचायत अध्यक्ष विशालराज देशलहरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष खुशबू पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों की कल्पना में दिखा 'मेरे सपनों का भारत'

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज ग्राम मानपुर के शासकीय प्राथमिक शाला में 'मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों ने स्वच्छ भारत, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 जैसे विषयों को अपनी पेंटिंग और रंगोली के माध्यम से बेहद खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, रचनात्मकता और देश के प्रति उनकी सकारात्मक सोच देखने को मिला।

बच्चों के चित्रों में डिजिटल इंडिया, हरित भारत, स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत की जो तस्वीर उभरी, वह 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करती है।इस सुंदर एवं प्रेरणादायक आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन, प्रधान पाठिका श्रीमती सरिता चतुर्वेदी सहित समस्त शिक्षकगण विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सरपंच खपरी-मानपुर चुन्नू निषाद, उपसरपंच श्रीमती मिटो गायकवाड़, शिक्षक संजय मस्तके, बाला राम यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, पालकगण एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

मां का अधूरा सपना, बेटे के पक्के घर से हुआ पूरा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम लोगों के जीवन में आए बदलाव की कहानियां समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। विकासखंड डोंगरगढ़ के ग्राम पंचायत पारागांवखुर्द निवासी संतुराम की कहानी भी ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने एक गरीब परिवार के जीवन में पक्की छत एवं सुरक्षा का सहारा दिया और वर्षो से अधूरे सपने को नई दिशा मिली।

संतुराम ने बताया कि वे अपनी मां के साथ एक कच्चे और जर्जर मकान में रहते थे। दोनों मां-बेटे मजदूरी कर किसी तरह परिवार का जीवन-यापन करते थे। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि अपने लिए पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना था। बरसात के दिनों में कच्ची दीवारों वाले घर में पानी भर जाता था और हर बारिश उनके लिए चिंता और परेशानी लेकर आती थी। संतुराम बताते हैं कि उनकी मां का सपना था कि एक दिन उनका अपना पक्का मकान होगा। लेकिन पहले ही उनकी मां का निधन हो गया। मां के जाने के साथ ही पक्के घर का उनका सपना भी अधूरा रह गया। मां के निधन के बाद संतुराम अकेले ही जीवन गुजार रहे थे और पक्का मकान बनाने की उन्होंने उम्मीद लगभग छोड़ दी थी। इसी बीच ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि आवास प्लस सूची में उनकी मां के नाम के साथ वे नामिनी के रूप में दर्ज हैं।

उन्होंने शीघ्र ही आवश्यक दस्तावेज, बैंक खाते एवं आधार कार्ड की जानकारी उपलब्ध कराने के बाद उनका पंजीयन कराया गया। कुछ समय बाद जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत होने की जानकारी मिली तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। बैंक जाकर खाते की जानकारी लेने पर उन्हें पता चला कि पहली किस्त के रूप में 40 हजार रूपए उनके खाते में जमा हो चुके हैं। इसके बाद संतुराम ने अपने पक्के घर का निर्माण शुरू किया। योजना के तहत तीन किस्तों में कुल 1 लाख 20 हजार रूपए की सहायता राशि प्राप्त हुई।

दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में गुणात्मक सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना पर जोर : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में तथा नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार देवांगन के नेतृत्व में जिला स्तरीय शिक्षा समीक्षा कार्यशाला का आयोजन प्रेम कुमार गिड़िया सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरागढ़ में किया गया। कार्यशाला में जिले के दोनों विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कु. नीलम राजपूत एवं प्रशांत चित्वरकर सहित सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) एवं संकुल समन्वयक (सीआरसी) उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिले की शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा तैयारियों, विद्यालयों की अधोसंरचना एवं विभिन्न विभागीय गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालयीन परिवेश की परंपरा के अनुरूप राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, दीप मंत्र, सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र एवं अमृत वचन के साथ विधिवत किया गया। कार्यशाला के दौरान कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षाओं के परिणामों में गुणात्मक सुधार के लिए विशेष रूप से दसवीं बोर्ड परीक्षा पर केंद्रित होकर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं शैक्षणिक अधिकारियों को विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की नियमित समीक्षा, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान तथा उनके लिए आवश्यक शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

जिला शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार देवांगन ने कार्यशाला में परीक्षा की पूर्व तैयारियों, परीक्षा शुल्क जमा करने, स्काउट-क्रीड़ा एवं रेडक्रॉस अंशदान, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं सरस्वती साइकिल वितरण की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही बालिका शौचालय विहीन शालाओं की स्थिति, विद्यालयों में दर्ज छात्र संख्या, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, वीएसके ऐप में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति तथा नवाचारी संस्थाओं से संबंधित गतिविधियों की जानकारी ली गई। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों के क्रियान्वयन में विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी और बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

विद्यालयों को व्यवस्थित, आकर्षक, स्वच्छ और परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से 99 बिंदुओं का एक्शन प्लान भी कार्यशाला में रखा गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्यो एवं संकुल समन्वयकों को अपने-अपने विद्यालयों में इस कार्ययोजना के बिंदुओं के अनुरूप आवश्यक गतिविधियां संचालित करने तथा शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विद्यार्थियों के लिए सीखने का सकारात्मक एवं अनुकूल वातावरण तैयार किया जाना चाहिए।

कार्यशाला में सहायक संचालक मनोहर चंदेल ने सेवा संकल्प अभियान के संबंध में जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 75वें वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किए जा रहे अभियान के अंतर्गत जिले के विद्यालयों में 19 सितंबर को प्रदर्शनी एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

जिला शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार देवांगन ने बताया कि त्रैमासिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अन्य विद्यालयों के शिक्षकों से कराया जाएगा, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया में शैक्षणिक दृष्टि से बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम घोषित होने के लगभग एक सप्ताह के भीतर, संभावित रूप से 5 से 10 अक्टूबर के मध्य त्रैमासिक परीक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में विषयवार एवं विद्यालयवार परीक्षा परिणामों की समीक्षा कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और आवश्यक सुधारात्मक कार्यो पर गहन मंथन किया जाएगा। कार्यशाला के अंत में जिला शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार देवांगन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला में दिए गए निदेर्शों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजन संस्था के शाला विकास समिति के अध्यक्ष मनोज गिड़िया द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी सहित उपस्थित प्राचार्यो, बीईओ, एबीईओ, बीआरसी एवं सीएसी को अपनी ओर से डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्पर्धा — विद्यार्थियों ने साझा किए पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों और आगामी 25 वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना पर विचार

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के 1481 विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित विभिन्न गतिविधियों की कड़ी में आज 19 सितम्बर को जिले के चारों विकासखंडों के 1236 शासकीय विद्यालयों, 239 अशासकीय विद्यालयों एवं 06 अनुदान प्राप्त विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सुशासन, जनभागीदारी एवं विकसित भारत /2047 की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एफ.आर. वर्मा, सहायक संचालक नीलेश चन्द्रवंशी एवं एम.आई.एस. प्रशासक सतीश कुमार यदु द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर बिरकोना, सरस्वती शिशु मंदिर गांगपुर, विवेकानन्द शिशु मंदिर खैरझिटी, शासकीय प्राथमिक शाला खैरझिटी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरका, शासकीय हाई स्कूल धौराबंद, वाणी विद्या मंदिर खपरी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंदौरी का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों का अवलोकन कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में लगभग आधे विद्यार्थियों ने पिछले 25 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए, वहीं आधे विद्यार्थियों ने आगामी 25 वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को लेकर अपने सपने, विचार एवं सुझाव साझा किए। विद्यार्थियों ने शाला विकास समिति के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों के समक्ष अपने विचार रखते हुए संवाद स्थापित किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यालयों में गत दिवस आयोजित मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी का पालकों, एसएमसी एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने अवलोकन किया और विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। कुछ विद्यालयों में उत्सवपूर्वक न्योता भोज का आयोजन भी किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 19 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी सहित समस्त सहायक संचालक, जिला मिशन समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, एपीसी, खंड स्त्रोत समन्वयक एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों द्वारा विद्यालयों की मॉनिटरिंग की गई। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सुशासन एवं जनभागीदारी की भावना विकसित करना तथा विकसित भारत /2047 के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण के विचारों से जोड़ना, उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में बाल एवं युवा शक्ति की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

प्रत्येक विद्यालय से चयनित उत्कृष्ट एक चित्रकला एवं एक भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागी प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर की विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता 28 सितम्बर 2026 को आयोजित होगी। वहीं हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर की प्रतियोगिता 01 अक्टूबर 2026 को आयोजित की जाएगी। जिला स्तरीय समस्त प्रतियोगिताओं का आयोजन 03 अक्टूबर 2026 को पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, सिग्नल चौक, कवर्धा में किया जाएगा। जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रत्येक विकासखंड से चयनित 05-05 प्रतिभागी तथा ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रत्येक विकासखंड से चयनित 20-20 प्रतिभागी शामिल होंगे।

अंदर की बात

-:: खुलकर ::-
यशवंत साहू, फाउंडर भिलाई टाइम्स

ईंट का जवाब लोहे से, बधाई कप्तान साहब...

बधाई कप्तान साहब..,

ईंट का जवाब पत्थर से नहीं, लोहे से कैसे दिया जाता है? इसे आप आईपीएस विजय अग्रवाल काम से जान सकते हैं। लोहा चोरी को लेकर दुर्ग पुलिस पर गंभीर आरोप लग रहे थे कि छोटी मछलियों पर कार्रवाई की जा रही है और मगरमच्छों को छोड़ दिया जा रहा है। लो भाई। इस बार तो दुर्ग पुलिस ने वो काम कर दिखाया है, जिसकी कल्पना सवाल उठाने वाले लोगों ने भी नहीं की थी। तमाम आरोपों पर दुर्ग पुलिस ने अपने काम के दम पर जवाब दे दिया है। ये साबित कर दिया है कि अपराधी कितना भी बड़ा रसूखदार क्यों न हो?, उसे सलाखों की हवा खानी होगी। जेल की सूखी हुई रोटी तोड़नी होगी और मच्छरों के साथ रातें बितानी होगी। दरअसल, बीएसपी लोहा चोरी मामले में ये अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी। दो उद्योगपतियों को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। ये सिर्फ कड़क मिजाज और अपने काम के लिए मशहूर दुर्ग एसएसपी आईपीएस विजय अग्रवाल ही कर सकते हैं। इसलिए वे बधाई के हकदार हैं। रायपुर पॉवर एंड स्टील लिमिटेड के एमडी विनोद कुमार गर्ग और डायरेक्टर संदीप सिंह को गिरफ्तार करने के लिए जिगरा चाहिए। ये जिगरा दुर्ग एसएसपी विजय के पास है। इससे पहले वे बलौदाबाजार एसपी रहते हुए भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को भी जेल की सैर करा चुके हैं। सरकार में आईपीएस विजय की छवि ईमानदार कड़क मिजाज वाले और वर्दी का मान बढ़ाने वाले आईपीएस के रूप में है। कहते हैं कि अभी और मगरमच्छ हैं, जो खुलेआम तालाबों में घूम रहे हैं।

विजय ने फिर से साबित कर दिया...

पूर्व सीएम भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम विजय शर्मा के डिबेट की चर्चा पूरे प्रदेश में है। सब इन दोनों नेताओं को नंबर देने में लगे हैं कि विजय ने ज्यादा अच्छे से जवाब दिया तो कुछ भूपेश की तारीफ कर रहे हैं। ओवरऑल, विजय शर्मा की तारीफ इसलिए बनती है कि उन्होंने भूपेश बघेल की चुनौती को स्वीकारा और बिना रूके डिबेट में फैक्ट्स-फाइंडिंग्स के साथ डटे रहें। पीएम आवास के आंकड़ों को लेकर भूपेश शुरू से ही हावी दिख रहे थे। लेकिन विजय शर्मा ने सारे आरोपों पर सिर्फ डिफेंसिव मोड पर ही नहीं, अटैकिंग मोड पर भी दिखे। विजय को ये मालूम था कि लाइव डिबेट में उनकी किरकिरी भी हो सकती थी, बावजूद डिबेट में आए। ये छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में पहला मौका था। कहीं न कहीं विजय शर्मा का नंबर और रैंक सरकार और संगठन दोनों जगह बढ़ गया।

गैंगस्टर की हवा-बाजी नहीं चलेगी...

सरकार ने सूची बना ली है गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटरों की...प्रदेश के कुछेक जिलों में इनकी चर्चा खूब हो रही है। सोशल मीडिया पर रील, पोस्ट, स्टोरी डालकर भकौल बना रहे हैं। लेकिन वो ये भूल गए हैं कि उनका भौकाल नहीं बन रहा है, उनकी कुंडली फिर से तैयार हो रही है। उनकी पुरानी फाइल ओपन की जा रही है। इन गुंडों का साथ देने वाले गुर्गों पर धरपकड़ की कार्रवाई की जा रही है। अल्टीमेटम दिया जा रहा है कि दोबारा दिखे तो ठीक नहीं होगा। कुछेक कथित गैंगस्टर अंडरग्राउंड हो गए हैं। उनके लिए यही अच्छा है। खैर, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कई पुलिस अधीक्षकों से साफ कह चुके हैं कि अपराधी को अपराधी की तरह ट्रीट करें। किसी का भी फोन आए, उन्हें बख्शा न जाए। कार्रवाई होनी चाहिए। विजय शर्मा के आदेश के बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई सब जिलों में शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार ही असली सरकार है। इस सरकार के सामने किसी की नहीं चलती।

माहौल गरम है, कौन बाटेंगे टिकट;

नगर निगम भिलाई, रिसाली और चरोदा निगम समेत 15 निकायों में चुनाव है इस साल। गणेश उत्सव में माहौल गरमाया हुआ है। सभी एक-दूसरे को ताकत दिखा रहे हैं। हर वार्ड में दावेदारों की फौज है। मेयर पद के लिए भी वही स्थिति बन रही है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर भिलाई, रिसाली और चरोदा में किस नेता की चलेगी?, कौन टिकट बांटने वाले हैं? ये सबसे बड़ा सवाल है। कहा जा रहा है कि नेताओं से नाम मांगने के बाद संगठन की ओर से भी नाम दिया जाएगा। इसकी गारंटी कम है कि नेताओं के दिए नाम पर शायद ही सहमति बने। ये फॉमूर्ला भाजपा में लागू होने जा रहा है। जबकि, कांग्रेस में सबकुछ दाऊ जी ही फाइनल करेंगे। युवा विधायक से थोड़ा बहुत पूछा जाएगा। क्योंकि दाऊ और युवा विधायक जबरदस्त गुटबाजी और विवाद चल रहा है युवा? कांग्रेस चुनाव की वजह से। इसलिए कांग्रेस में सबकुछ दाऊ जी ही फाइनल कर रहे हैं और आगे भी करेंगे...।

वाह, गजब है-जिस अफसर के खिलाफ शिकायत, उसी को IAS अवार्ड...

राज्य सरकार

छत्तीसगढ़ में भी गजब हो रहा है। जिस अफसर के खिलाफ गंभीर शिकायत हैं, उनको ही प्रमोट किया जा रहा है। शिकायत करने वाले भी कोई छोटा आदमी नहीं है। भाजपा के दो बार के सांसद, विधायक रहे विजय बघेल...। बावजूद भाजपा की सरकार ने उन्हें अनसुना करते हुए प्रमोशन की फाइल आगे बढ़ा दी है...। मैं बात कर रहा हूं भिलाई निगम के तत्कालीन आयुक्त राजीव पांडेय की...। इस साल सितंबर में ही दिल्ली में हुई विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की बैठक में 3 और अधिकारियों के नामों को हरी झंडी दी गई है। खाली पदों के लिए अभिषेक अग्रवाल, सचिन भूतड़ा और राजीव पांडे के नामों पर मुहर लगी है। हालांकि कुल 5 पद खाली थे, लेकिन दो अधिकारियों के लिफाफे बंद होने के कारण केवल इन 3 अधिकारियों को ही इस चरण में यह अवार्ड मिल रहा है। अब सवाल ये है कि राजीव पांडेय के खिलाफ कंप्लेन होने के बावजूद आईएएस अवार्ड देना ये गले से उतर नहीं रहा है। लोग चर्चा कर रहे हैं कि क्या विजय बघेल की नहीं चल रही है या कुछ और ही बात है।

मंगलमूर्ति धाम पीठ की अनूठी पहल

मात्र 100 प्रतिदिन में रोज 11,000 महामृत्युंजय जाप और अभिषेक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सनातन धर्मावलंबियों के लिए मंगलमूर्ति धाम पीठ ने एक कल्याणकारी पहल शुरू की है। अब हर वर्ग का परिवार भगवान शिव के नित्य महामृत्युंजय यज्ञ और अभिषेक से जुड़ सकेगा। इसकी घोषणा मंगलमूर्ति धाम पीठ के आचार्य कान्हा महाराज जी ने वीडियो संदेश में की है।

आचार्य कान्हा महाराज जी ने बताया कि-

मात्र 100 रुपये रोज का सहयोग: हर परिवार के लिए सहयोग राशि बेहद सामान्य रखी गई है। एक परिवार से प्रतिदिन मात्र 100 यानी महीने के 3000। इसमें परिवार के 1, 2, 5 या 10 जितने भी सदस्य हों, सभी शामिल रहेंगे। पूजन सामग्री और आचार्यों की पूरी व्यवस्था धाम पीठ द्वारा की जाएगी।

रोज 11,000 महामृत्युंजय जाप: उज्जैन की परंपरा के अनुरूप प्रतिदिन कम से कम 11,000 महामृत्युंजय मंत्रों का जप और विधि-विधान से रुद्राभिषेक होगा। हार्ट, किडनी, लीवर जैसी गंभीर बीमारियों और आकस्मिक संकटों से जूझ रहे परिवारों को इससे आध्यात्मिक संबल मिलेगा।

पूरी पूजा का लाइव प्रसारण: पारदर्शिता के लिए रोजाना होने वाली 2 से 2.5 घंटे की पूजा का लाइव प्रसारण चैनल के माध्यम से किया जाएगा, ताकि भक्त घर बैठे दर्शन कर सकें।

निःशुल्क कुंडली विश्लेषण: इस मासिक अनुष्ठान से जुड़े परिवारों को हर दो महीने में पूरे परिवार की कुंडली का निःशुल्क विश्लेषण और ज्योतिषीय समाधान दिया जाएगा।

अन्य विशेष लाभ

- हर महीने प्रसाद कूरियर से घर भेजा जाएगा।
- जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या पारिवारिक उत्सवों पर धाम में पूरा अभिषेक निःशुल्क कराया जाएगा।
- घर आने वाले मेहमानों को भी धाम के नियमानुसार निःशुल्क दर्शन-अनुष्ठान का लाभ मिलेगा।

आचार्य कान्हा महाराज ने कहा कि वर्तमान में 11,000 जाप से शुरूआत हो रही है, जिसे हनुमत कृपा से भविष्य में प्रतिदिन सवा लाख महामृत्युंजय जाप तक विस्तारित किया जाएगा।

ट्रेन और ट्रक ने ली 14 बेजुबानों की जान, प्रशासन ने शुरू की कार्रवाई

भानुप्रतापपुर। रविवार सुबह हुए दो अलग-अलग हादसों में 14 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। पहली घटना भैंसाकन्हार के पास हुई, जहां रेलवे ट्रैक पार कर रहे 10 मवेशी ट्रेन की चपेट में आ गए। वहीं दूसरी घटना भानुप्रतापपुर के मुख्य चौक में हुई, जहां अज्ञात ट्रक की टक्कर से चार मवेशियों ने दम तोड़ दिया। पहली घटना भैंसाकन्हार क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बीती रात गांव के पास रेलवे ट्रैक पर अचानक ट्रेन आने से वहां मौजूद मवेशी उसकी चपेट में आ गए। हादसे में 10 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद भानुप्रतापपुर एसडीएम गंगाधर वाहिले अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही पशु चिकित्सा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम किया गया। प्रशासन की ओर से पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

विश्वकर्मा पूजा पर डॉ. अभिषेक का स्वागत श्रम और तकनीक के सम्मान का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भनपुरी

भगवान विश्वकर्मा पूजा के पावन अवसर पर भनपुरी स्थित Machine Manufacturers International, बंजारी माता मंदिर के समीप सुधीर राय के कारखाने में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्व एसएसपी एवं चिकित्सक डॉ. अभिषेक पल्लव का भूमिहार ब्राह्मण समाज एवं भोजपुरी समाज के सदस्यों ने आत्मीय स्वागत किया।

डॉ. पल्लव कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। भोजपुरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडे ने श्रीफल और शाल भेंट कर स्वागत किया, वहीं भूमिहार ब्राह्मण समाज के सचिव शेषनाथ तिवारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी पप्पू मिश्रा, विवेक, राजेंद्र, हनुमान सिंह, कांति भाई सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अभिषेक पल्लव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ब्रह्मांड के महान वास्तुकार और निर्माण के देवता हैं। विश्वकर्मा पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि श्रम, तकनीक, निर्माण और कर्म के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि इस दिन कारखानों, उद्योगों और कार्यस्थलों में मशीनों, औजारों, उपकरणों और कंप्यूटर की पूजा कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है और व्यवसाय में उन्नति, समृद्धि और सफलता की कामना की जाती है। कार्यक्रम में सभी ने विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया।

साइबर जागृति अभियान : एसटीएफ जवानों को दिया साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस द्वारा साइबर जागृति अभियान के तहत दधीचि प्रशिक्षण हॉल, प्रशासनिक भवन, पुलिस लाइन दुर्ग में एसटीएफ के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल सतर्कता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के मंत्री गजेन्द्र यादव रहे।

प्रशिक्षण में वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के तौर-तरीकों, ऑनलाइन ठगी के नए स्वरूपों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग को लेकर व्यावहारिक जानकारी दी गई। जवानों को फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, सोशल मीडिया ठगी, OTP फ्रॉड और ऑनलाइन वित्तीय अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही साइबर अपराध होने पर त्वरित शिकायत के लिए उपलब्ध तकनीकी और कानूनी माध्यमों, विशेषकर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई गई।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी से करें। अनजान व्यक्तियों के मैसेज, फ्रेंड रिक्वेस्ट और संदिग्ध लिंक से बचें। OTP, PIN, पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ शेयर न करें। उन्होंने जवानों से स्वयं सतर्क रहने के साथ ही अपने परिवार और समाज में भी साइबर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने साइबर अपराधों की रोकथाम में तकनीकी दक्षता और त्वरित कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बदलते तरीकों से लगातार अपडेट रहना और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करना जरूरी है।

कार्यक्रम के अंत में सभी एसटीएफ अधिकारी-कर्मचारियों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने और डिजिटल माध्यमों का सतर्कतापूर्वक उपयोग करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने जवानों के साथ सामूहिक सेल्फी भी ली। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चन्द्रा ने किया। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मेहर, उप पुलिस अधीक्षक (लाइन) चन्द्रप्रकाश तिवारी सहित पुलिस विभाग और एसटीएफ के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है - "एक क्लिक सोच-समझकर, भविष्य सुरक्षित" - डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्क रहें, OTP/PIN/ पासवर्ड साझा न करें और ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें।

देवी भागवत कथा का समापन, आचार्य राजीव कृष्ण ने बताया नवार्ण मंत्र का महत्व

दुर्ग। गंजपारा स्थित श्री बाबा रामदेव मंदिर में चल रही श्री देवी भागवत कथा के अंतिम दिवस कथा वाचक आचार्य राजीव कृष्ण धुलिया महाराष्ट्र ने नवार्ण मंत्र को देवी उपासना का प्राण बताया। आचार्य ने कहा कि श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण में आदि शक्ति जगदंबा की उपासना के लिए दो मंत्रों को मुख्य मूल मंत्र माना गया है। ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे - यह नवअक्षरी नवार्ण मंत्र देवी का सबसे प्रसिद्ध मूल मंत्र है जो समस्त सिद्धियां और कल्याण प्रदान करता है।

देवी गायत्री मंत्र - ॐ आद्यायै विद्महे महाशक्त्यै च धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात् - पुराण के एकादश और द्वादश स्कंध में वेदमाता गायत्री के 24 अक्षरों और उनके तांत्रिक-वैदिक प्रयोगों को ही देवी का सर्वोपरि मूल आधार बताया गया है। उन्होंने कहा कि सूत जी महाराज के अनुसार जिस प्रकार वेदों में गायत्री श्रेष्ठ है, उसी प्रकार देवी भागवत देवी महिमा का मूल आधार है। इस ग्रंथ में भगवती भुवनेश्वरी और आदिशक्ति दुर्गा को ही संपूर्ण सृष्टि का मूल कारण मानकर इन्हीं के बीज मंत्रों के जप का विधान है।

कथा के अंतिम दिन आचार्य ने सदाचार, भगवद भक्ति और नैतिकता को जीवन का सबसे बड़ा आधार बताया। कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म सदाचार है, भगवान की कथा दुखों और भय का नाश करती है और अहंकार त्याग कर माता-पिता, गुरु और समाज की सेवा ही सच्चा धर्म है। कथा समाप्ति के बाद माता जी की भव्य महाआरती हुई। समिति अध्यक्ष पंकज राठी ने बताया कि 20 सितंबर को रात्रि 8 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा, जिसमें आमगांव महाराष्ट्र के भोले के दीवाने ग्रुप द्वारा मधुर भजनों के साथ पाठ किया जाएगा।

अशासकीय कॉलेजों के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों की पेंशन बंद करना साय सरकार का जनविरोधी फैसला - मुकेश चंद्राकार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकार ने छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार पर अशासकीय अनुदानित कॉलेजों के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों की पेंशन बंद करने को लेकर तीखा हमला बोला है। मुकेश चंद्राकार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रदेश सरकार ने 1 सितंबर से तुगलकी आदेश जारी कर 400 से अधिक सेवानिवृत्त प्राध्यापकों तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पेंशन रोक दी है। यह फैसला सरकार के बुजुर्गों के प्रति असंवेदनशील और दमनकारी रवैये को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि पिछले 37 वर्षों से इन प्राध्यापकों और कर्मचारियों को निरंतर पेंशन तथा ग्रेच्युटी का लाभ मिल रहा था। पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह की भाजपा सरकार ने भी वर्ष 2010 में पांचवें वेतनमान में पेंशन और चौथे वेतनमान में ग्रेच्युटी देने की व्यवस्था को मान्यता दी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने बुजुर्गों का हक छीन लिया है।

इससे बुजुर्ग इस उम्र में गंभीर आर्थिक तंगी और मानसिक पीड़ा झेलने को मजबूर हैं। चंद्राकार ने कहा कि उच्च न्यायालय ने बार-बार पेंशन के अधिकार को सही ठहराया है और राज्य सरकार की याचिकाओं को खारिज किया है। इसके बावजूद सरकार ने हठधर्मिता दिखाते हुए 22 अगस्त को मंत्रिमंडल की बैठक में पेंशन बंद करने का निर्णय लिया, जो सीधे तौर पर न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने की मांग

जिला कांग्रेस कमेटी ने की मांग

1. 1 सितंबर का अन्यायपूर्ण आदेश तुरंत वापस लिया जाए और पेंशन योजना पूर्ववत लागू की जाए।
2. जुलाई और अगस्त माह की रुकी हुई पेंशन का भुगतान शीघ्र किया जाए।
3. सरकार न्यायालय के फैसलों का सम्मान करे और बुजुर्ग पेंशनरों को मुकदमेबाजी में उलझाने के बजाय राहत दे।

अंत में चेतावनी दी गई कि यदि सरकार ने पेंशन बहाल नहीं की तो कांग्रेस सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघ के समर्थन में सड़क से सदन तक उग्र आंदोलन करेगी।

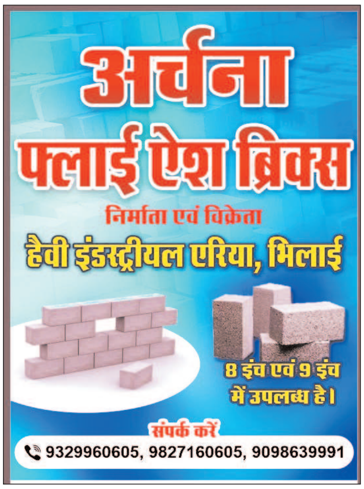

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100